वर्ष : 17 ❖ अंक : 11 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
गुरुवार, 11 अगस्त 2022

नीतीश में पीएम बनने की सारी योग्यता : ललन सिंह 3 | बीजेपी अब 2024 के चुनाव की करे चिंता : नीतीश 8

हिटलरवादी शासन केवल शरीर को कैद कर सकता है विचारों को नहीं : गोले

अनुगामिनी का.सं.

जोरथांग, 10 जुलाई। एसकेएम की क्रांति सिक्किम के निर्माण की क्रांति है। हमारे युवाओं के हाथ सिक्किम का निर्माण करने वाले हाथ हैं। एसकेएम पार्टी के कार्यकर्ता पीड़ा से डरते नहीं हैं और सरकार बनने के बाद नशे में नहीं हैं। राज्य के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ दल सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी के अध्यक्ष प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने जोरथांग खेल मैदान में पांचवें जन उन्मुक्ति दिवस पर आयोजित एक बड़ी सभा को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

रोंगे जेल से एक वर्ष की सजा काटकर निकलने के दिन को एसकेएम की ओर से जन उन्मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज मुख्यमंत्री गोले इस अवसर पर साधारण कपड़े पहनकर आए थे। इस बारे में बोलते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि वे अब भी जमीन से जुड़े हैं और इस बात को अभी नहीं भूले हैं कि वे एक साधारण परिवार से आते हैं।

राज्य में सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी का पांचवां जनमुक्ति दिवस आज जोरथांग खेल मैदान में हजारों पार्टी समर्थकों की मौजूदगी में मनाया गया। एसकेएम की ओर से दावा किया गया कि गरीब व्यक्ति के एक वर्ष की कैद की सजा काटने के लौटने पर, पिछली सरकार के निरंकुश शासन के खिलाफ लोगों ने खुलकर आवाज उठाई थी। इसी की याद में यह दिवस मनाया जाता है। आज विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री, विधायक समेत प्रदेश भर से हजारों की संख्या में एसकेएम नेतृत्व, कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री और एसकेएम पार्टी के अध्यक्ष प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने इस दिन को सिक्किम के लोगों को समर्पित किया। उन्होंने याद किया कि आज ही के दिन 2017 में वे सिक्किम के गरीब लोगों के लिए जेल गए थे। उन्होंने कहा कि एस दिन मौजूदा मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा, मंत्री सोनम लामा के साथ हर कार्यकर्ता रोया था। उन्होंने कहा कि मैं उस दिन नहीं रोया क्योंकि मुझे विश्वास था कि कोई भी हिटलरवादी शासन केवल एक व्यक्ति के शरीर को कैद कर सकता है, उसके विचारों को नहीं।

उन्होंने दावा किया कि पिछली सरकार ने पीएस गोले को शारीरिक रूप से गिरफ्तार किया था लेकिन उनके विचारों को गिरफ्तार नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि जेल में रहने के एक साल के दौरान करीब 50 हजार पार्टी समर्थकों ने मुझसे मुलाकाती की जिससे मुझे ऊर्जा मिलती रही। यह याद करते हुए कि पिछली सरकार ने उन्हें एक ऐसी कोठरी में रखा था जहां केवल एक व्यक्ति रह सकता था, उन्होंने कहा कि वह विषम परिस्थितियों में भी सिक्किम के लोगों की मुक्ति के लिए दृढ़ थे। एकांत का लाभ उठाते हुए, उन्होंने अन्याय से पैदा हुए विद्रोह की स्मृति को उजागर करते हुए, क्रांति कविताओं का पाठ किया। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बिना जनता के राजा बन गए हैं। उन्होंने आज पार्टी में शामिल हुए पूर्व मंत्रियों और अन्य नेताओं का स्वागत किया। उन्होंने एसकेएम परिवार से उनके जुड़ने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि उनके एसकेएम पार्टी में आने से पार्टी और मजबूत होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह समावेशी राजनीति में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि इन्हीं नेताओं की बदौलत एसकेएम सरकार पांच सालों तक सत्ता में रही।

इसी तरह उन्होंने स्पष्ट किया कि एसकेएम पार्टी के कार्यकर्ताओं की वजह से आज वह मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंच पाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर नेता कार्यकर्ताओं को नहीं पहचानता तो नेता का नेतृत्व बेकार है। आज शामिल होने वालों ने कहा कि 2024 में एसकेएम 32 में से सभी 32 सीटों पर जीत हासिल करेगी। अब राज्य में विपक्षी पार्टी का अस्तित्व समाप्त हो गया है। उन्होंने बताया कि कई और लोग एसकेएम में शामिल होना चाहते हैं।

बताया जाता है कि आज विपक्षी दलों के 1570 कार्यकर्ता एसकेएम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी को पार्टी में स्वागत है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि वह शब्दों में नहीं कर्मों में विश्वास करने वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि कम बोलकर मैं आके लिए बहुत कुछ करूंगा। मैं आम लोगों के बीच का गांव का रहने वाला हूं मैं मजदूर हूं। आपकी मेहनत और विश्वास के कारण आज मैं सिक्किम के मुख्यमंत्री के पद पर बैठ पाया हूं। इसके लिए मैं नतमस्तक हूं और आप सभी को धन्यवाद देता हूं।

उन्होंने कहा कि एसकेएम का 5वां जन उन्मुक्ति दिवस स्वतंत्रता के वर्ष भर चलने वाले अमृत महोत्सव के दौरान मनाया गया, जो देश की आजादी के 75वें वर्ष के अवसर पर शुरू किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 15 अगस्त को देश अपनी आजादी के 76वें वर्ष में पहुंच जाएगा और यह ऐतिहासिक होगा। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और बलिदान के परिणामस्वरूप आज देश स्वतंत्र हुआ और हम सभी इससे स्वतंत्र रूप से जीने में सक्षम हैं। इसके लिए में उनका आभारी होना चाहिए। स्वतंत्रता के महत्व के बारे में बोलते हुए, मुख्यमंत्री तमांग ने उल्लेख किया कि स्वतंत्रता का मूल्य उन लोगों को पता है जो देशविहीन हैं और जो देश अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता के चरम संकट से जूझ रहे हैं। उन्होंने यूक्रेन का उदाहरण दिया।

उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के तहत राज्य भर में हर घर तिरंगा कार्यक्रम शुरू किया गया है, उन्होंने कहा कि अब सिक्किम के लोग राष्ट्रीय त्योहारों को बड़े उत्साह के साथ देख रहे हैं। देश के प्रति समर्पण की मिसाल पेश करते मुख्यमंत्री तमांग ने हर घर तिरंगा के बारे में एक कविता प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने केंद्र सरकार के सहयोग से सिक्किम को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ने की जानकारी देते हुए इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया।

एसडीएफ के कई कद्दावर नेता एसकेएम में शामिल

अनुगामिनी का.सं.

जोरथांग, 10 जुलाई। नामची जिलान्तर्गत जोरथांग में पांचवें जन उन्मुक्ति दिवस के उपलक्ष्य पर आज कई पूर्व विधायकों, पूर्व स्पीकरों एवं मंत्रियों ने सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा का दामन थाम लिया। एसकेएम में शामिल होने वाले नेताओं में सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट पार्टी की पहली महिला स्पीकर कलावती सुब्बा (1999-2004), तीन बार के मंत्री रण बहादुर सुब्बा (1994-2004 तथा 2009-14)), दो बार के विधायक एवं एक बार के मंत्री भीम ढुंगेल (2004-2014), पूर्व विधायक मदन सिंचुरी (2009-14), दीपक कुमार गुरुंग (2009-09), पूरण गुरुंग (2009-14), ऐम प्रसाद शर्मा (2009-14) तथा सोनम ग्याछो भूटिया (2009-14) एवं कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों के अलावा नेपाली अभिनेता उत्तम प्रधान भी शामिल रहे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के 2018 में रोंगे जेल से रिहा होने की स्मृति में हर वर्ष जन उन्मुक्ति दिवस मनाया जाता है।

उल्लेखनीय है कि आज के उक्त कार्यक्रम में उक्त नेताओं के अलावा कुल 1051 लोग भी एसकेएम पार्टी में शामिल हुए। एसकेएम पार्टी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार यह दिन पूर्व सरकार की तानाशाही एवं अत्याचार के शासन से मुक्त होकर राज्यवासियों द्वारा एक नये परिवर्तन की बढने का प्रतीक है। पार्टी के अनुसार एक राजनीतिक साजिश के तहत फंसा कर पीएस गोले को एक वर्ष तक जेल में बंद रखा गया। लेकिन गोले अडिग रहे और आमलोगों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखी। उसके बाद 10 अगस्त 2018 को वह जेल से बाहर निकले, जिस पर पूरे राज्य के हजारों समर्थकों एवं शुभचिंतकों ने उनका भव्य स्वागत किया। एक नेता के जेल से रिहा होने पर इस प्रकार अभूतपूर्व स्वागत कभी और नहीं देखा गया है, क्योंकि लोगों को यह समझ में आ गया था कि गोले को कैद करना एक साजिश के अलावा और कुछ नहीं था।

इस अवसर पर मंत्री अरुण उप्रेती ने कहा कि एसकेएम पार्टी एक सागर है जहां हरेक नदी एवं धाराओं का स्वागत होता है। यहां यह मायने नहीं रखता कि कौन किस पार्टी का है या कौन पूर्व विधायक या मंत्री रहा है। मुख्यमंत्री गोले ने पार्टी में शामिल सभी लोगों का स्वागत किया है।

सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर जमीन तलाश रही है एसकेएम : कृष्ण खरेल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 10 जुलाई। सिक्किम में मुख्य विपक्षी सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) ने सत्ताधारी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) द्वारा अपने नेता प्रेम सिंह तमांग (गोले) के एक वर्ष की जेल की सजा काट कर रिहा होने के दिन को जन उन्मुक्ति दिवस के रुप में मनाने पर कटाक्ष करते हुए इसे समूचे राज्य की जनता के सम्मान पर कलंक लगाने की कोशिश के साथ ही राज्य के युवाओं एवं बुद्धिजीवी वर्ग का अपमान बताया है।

एसडीएफ के प्रचार-प्रसार मामलों के उपाध्यक्ष कृष्ण खरेल द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार एसडीएफ सरकार की जनकल्याणकारी दुधारू गाय वितरण योजना में भ्रष्टाचार के लिये तत्कालीन बागवानी एवं कृषि मंत्री प्रेम सिंह तमांग सिक्किम संग्राम परिषद अध्यक्ष स्वर्गीय नरबहादुर भंडारी एवं नुक छिरिंग भूटिया द्वारा अदालत में दायर किये गये एक जनहित मामले में ट्रायल कोर्ट द्वारा एक वर्ष जेल की सजा सुनायी गयी थी। उसके बाद प्रेम सिंह तमांग ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। लेकिन उच्चतम न्यायालय द्वारा भी ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही ठहराये जाने के बाद प्रेम सिंह तमांग ने अंत में आत्मसमर्पण कर दिया था।

खरेल ने कहा कि आज के दिन जोरथांग में मनाया गया जन उन्मुक्ति दिवस कार्यक्रम पूरी तरह एसकेएम पार्टी का ही था। ऐसे में इस कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कर्मियों, मनरेगा श्रमिकों, सड़क विभाग के श्रमिकों आदि को नौकरी से हटाये जाने, सुविधाएं न देने जैसे डर दिखा कर जबरन शामिल किया गया। वहीं इसमें सरकारी तंत्र का इस्तेमाल किया गया और इतना ही नहीं राज्य के बाहर से 500 से अधिक वाहनों में किराये के लोगों को लाकर कार्यक्रम में शामिल करवाया गया। एसडीएफ के अनुसार वर्तमान में अपना जनाधार खो चुकी एसकेएम पार्टी सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर अपनी जमीन तलाश रही है। आज के कार्यक्रम ने यह साबित कर दिया है कि जनता से उनके वादों को पूरा करने हेतु केवल बातें करने वाली एसकेएम पार्टी आज कमजोर हो गयी है।

चामलिंग चुनाव लड़ने के लिए नेपाल गए थे : गोले

अनुगामिनी का.सं.

जोरथांग, 10 जुलाई। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग पर नेपाल से चुनाव लड़ने के इरादे से वहां बसने की योजना बनाने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि यह भारत की सुरक्षा के लिए खतरा हो सकता है। गोले का यह बयान नामची जिले के जोरथांग में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी के जन उन्मुक्ति दिवस समारोह के अवसर पर आया है।

सीएम गोले ने पवन चामलिंग को लक्ष्य करते हुए कहा कि आज कोई बाघ सरकार नहीं चला रहा है, मैंने लोगों को वापस देने के लिए बाघ से लोगों की सरकार छीन ली। जो व्यक्ति यह सोचकर घमंड से भर गया था कि वह किसी प्रकार का बाघ है, मैंने उसे कुचल दिया, उसकी पार्टी को अप्रासंगिक बना दिया है, यहां तक कि पूर्व मुख्यमंत्री को विदेशों में भागना पड़ रहा है। मुझे डर है कि वह एक दिन विदेश से चुनाव लड़ सकते हैं।

सीएम गोले ने आरोप लगाया कि सिक्किम का सारा पैसा उन्होंने नेपाल के कसीनो, होटल और मॉल में लगा दिया है। मुझे डर है कि वह वहीं बस जाएंगे। एक पुरस्कार समारोह के लिए पवन चामलिंग की हाल की नेपाल यात्रा की ओर इशारा करते हुए गोले ने कहा कि उनकी नजर देश की सुरक्षा को कम करने पर है। एसकेएम अध्यक्ष ने जनता को आश्वासन दिया कि 2024 के विधानसभा चुनाव में एसकेएम सभी 32 सीटों पर जीत हासिल करेगी।

इसके अलावा, सीएम गोले ने दावा किया कि उनका विकल्प मंत्रियों या उनके परिवार के मंत्रिमंडल से नहीं, बल्कि जनता से होगा। उन्होंने कहा कि मेरा विकल्प जनता के बीच है, न कि मंत्रियों के मंत्रिमंडल में और न ही मेरे परिवार के किसी व्यक्ति में। मेरी पत्नी के विकल्प होने की अफवाहें थीं, लेकिन मेरा पूरा परिवार समाज सेवा के माध्यम से लोगों की सेवा करेगा, लेकिन अगला (शेष पृष्ठ ०३ पर)

जन उन्मुक्ति दिवस लंबे संघर्ष, उम्मीदों और आकांक्षाओं का प्रतीक है : पूजा शर्मा

अनुगामिनी का.सं.

जोरथांग, 10 जुलाई। सत्ताधारी पार्टी द्वारा हर वर्ष 10 अगस्त को जन उन्मुक्ति दिवस के रूप में मनाये जाने को विपक्षियों द्वारा एक राजनीतिक स्टंट बताये जाने पर आज एसकेएम ने इसका जवाब दिया है। पार्टी ने राजनीतिक स्टंट न बताते हुए इसे अपने लम्बे संघर्ष, अपनी उम्मीदों एवं आकांक्षाओं का प्रतीक बताया।

एसकेएम नारी शक्ति की महासचिव पूजा शर्मा ने आज एक विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि यह सच्चाई है कि राज्य में लोकतंत्र स्थापित करने हेतु किये जा रहे क्रांतिकारी आंदोलन को जनता के मिल रहे समर्थन से घबरा कर तत्कालीन सत्ताधारी पार्टी ने उसे दबाने हेतु साजिश के तहत हमारे प्रिय मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोल) को जेल भेजा था। वहीं अपनी जेल अवधि के दौरान भी हमारे नेता ने समर्थकों को प्रोत्साहित करते हुए (शेष पृष्ठ ०३ पर)

एसडीएफ से किसी ने नहीं दिया इस्तीफा : विष्णु दुलाल

‘निष्क्रिय नेताओं की सदस्यता स्वतः हो गई थी खारिज’

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 10 जुलाई। एसडीएफ पार्टी के कई सदस्यों एवं नेताओं के इस्तीफा देकर एसकेएम में शामिल होने की खबरों के बीच एसडीएफ ने इसे गलत बताते हुए पार्टी को बदनाम करने की साजिश करार दिया है।

एसडीएफ के प्रचार-प्रसार मामले के महासचिव विष्णु दुलाल ने एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पार्टी ने इसे गम्भीरता से लिया है। उनके अनुसार एसडीएफ पार्टी संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए दलगत नीतियों के अनुसार चलने वाली पार्टी है। उनके अनुसार एसडीएफ पार्टी के संविधान के अनुसार पार्टी का यदि कोई सदस्य दो सालों तक अपनी सदस्यता का नवीनीकरण नहीं करता है, तो उसकी सदस्यता स्वतः ही निरस्त हो जाती है। ऐसे में इन लोगों ने 2019 के चुनाव के बाद न तो पार्टी के किसी भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया और न ही अपनी सदस्यता का नवीनीकरण ही करवाया। इसके बावजूद अब वे किस प्रकार पार्टी से इस्तीफा मांग सकते हैं?

इस सम्बंध में एसडीएफ ने सभी समाचार-पत्रों, डिजीटल मीडिया एवं पार्टी संगठनों से संवैधानिक नियमों के साथ कानून का पालन करते हुए ऐसी गैर-प्रमाणित खबरों का प्रसारण न करने का आग्रह (शेष पृष्ठ ०३ पर)

मुफ्त राशन के बदले गरीबों से तिरंगे के नाम पर 20 रुपये की वसूली करना बेहद शर्मनाक: राहुल गांधी का केंद्र पर निशाना

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेन्सी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि गरीबों को राशन देने के बदले तिरंगे के नाम 20 रुपये की जबरन वसूली की जा रही है जो राष्ट्रीय ध्वज और गरीबों के आत्मसम्मान पर भाजपा सरकार का प्रहार है। उन्होंने एक वीडियो साझा करते हुए फेसबुक पोस्ट में कहा, तिरंगा हमारा अभिमान है, ये हर दिल में बसता है। राष्ट्रवाद कभी बेचा नहीं जा सकता, ये बहुत ही शर्मनाक है कि राशन देने के बदले गरीबों से तिरंगे के नाम पर जबरन 20 रुपये की वसूली की जा रही है।''

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार तिरंगे के साथ-साथ हमारे देश के गरीबों के आत्मसम्मान पर भी प्रहार कर रही है। उन्होंने जो वीडियो साझा किया उसमें कुछ राशनकार्ड धारकों को यह शिकायत करते हुए देखा जा सकता है कि उन्हें 20 रुपये में तिरंगा खरीदने को मजबूर किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर तिरंगा'' अभियान के तहत देशवासियों से अपने घरों में 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच तिरंगा लगाने का आग्रह किया है।

राहुल गांधी ने एक अन्य फेसबुक पोस्ट में आरोप लगाया कि देश में उज्ज्वला योजना के नाम पर जनता से धोखा किया गया है। उन्होंने कहा, बड़े-बड़े पोस्टर, टीवी-रेडियो-अख़बार में विज्ञापन और भव्य उद्घाटन के माध्यम से 10 अगस्त 2021 को प्रधानमंत्री द्वारा उज्ज्वला 2.0 का लॉन्च किया गया था। उज्ज्वला योजना की असलियत यह है कि 4.13 करोड़ लाभार्थियों ने एक बार भी सिलेंडर नहीं भराया।''

कांग्रेस नेता ने दावा किया, महंगाई और बेरोज़गारी ने आम जनता का जीवन इतना कठिन बना दिया है कि लोग जैसे-तैसे गुज़र-बसर करने पर मजबूर हैं। प्रधानमंत्री के पास उनके द्वारा पैदा की गई इन समस्याओं का कोई समाधान नहीं है, ऊपर से अगर हम उनसे सवाल पूछ लें तो वो नाराज़ हो जाते हैं।'' उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री चाहे सवालों से जितना भी भागें, इस बात पर गंभीरता से विचार करना पड़ेगा कि जनता तकलीफ में है और प्रधानमंत्री अपनी दुनिया में लीन हैं, ये बेहद चिंताजनक बात है।''

पीएम मोदी का कांग्रेस पर हमला, कहा- कितना ही काला जादू कर लें, जनता का विश्वास अब उन पर दोबारा कभी नहीं बन पाएगा

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार शॉर्टकट' पर चलने के बजाय समस्याओं का स्थायी समाधान करती है। मोदी ने बुधवार को इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) की पानीपत रिफाइनरी के पास स्थापित दूसरी पीढ़ी के एथनॉल संयंत्र को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये राष्ट्र को समर्पित करते हुए यह बात कही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि हमारे देश में भी कुछ लोग हैं जो नकारात्मकता के भंवर में फंसे हुए हैं, निराशा में डूबे हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के खिलाफ झूठ पर झूठ बोलने के बाद भी जनता जनार्दन ऐसे लोगों पर भरोसा करने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अभी हमने 5 अगस्त को देखा है कि कैसे काले जादू को फैलाने का प्रयास किया गया। ये लोग सोचते हैं कि काले कपड़े पहनकर, उनकी निराशा-हताशा का काल समाप्त हो जाएगा, लेकिन उन्हें पता नहीं है कि वो कितनी ही झाड़-फूंक कर लें, कितना ही काला जादू कर लें, अंधविश्वास कर लें, जनता का विश्वास अब उन पर दोबारा कभी नहीं बन पाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, पानीपत में बनाए गए दूसरी पीढ़ी के एथनॉल संयंत्र से किसानों की आय बढ़ेगी और साथ ही पराली की लंबे समय से जारी समस्या से भी छुटकारा मिलेगा।'' आईओसी की पानीपत रिफाइनरी के पास स्थित इस एथनॉल संयंत्र पर 900 करोड़ रुपये की लागत आई है। मोदी ने कहा, पानीपत के जैविक ईंधन संयंत्र से पराली का बिना जलाए भी निपटारा हो पाएगा। इसके एक साथ कई फायदे होंगे।

उन्होंने कहा, पहला फायदा तो ये होगा कि पराली जलाने से धरती मां को जो पीड़ा होती थी, उस पीड़ा से मुक्ति मिलेगी। दूसरा फायदा पराली काटने से लेकर उसके निस्तारण के लिए जो नई व्यवस्था बन रही है, उससे गांवों के लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।'' मोदी ने कहा, इसके अलावा पराली किसानों के लिये अतिरिक्त आय का माध्यम बनेगी। साथ ही प्रदूषण कम होगा, पर्यावरण की रक्षा में किसानों का योगदान और बढ़ेगा। और देश को एक वैकल्पिक ईंधन भी मिलेगा।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ...शॉर्टकट पर चलने के बजाय हमारी सरकार समस्याओं के स्थायी समाधान में जुटी है। पराली की दिक्कतों के बारे में भी बरसों से कितना कुछ कहा गया। लेकिन शॉर्टकट वाले इसका समाधान नहीं दे पाए'' आईओसी की स्वदेशी प्रौद्योगिकी पर आधारित इस परियोजना में एक साल में करीब दो लाख टन भूसी को इस्तेमाल में लाया जाएगा। इसकी मदद से सालाना करीब तीन करोड़ लीटर एथनॉल का उत्पादन होगा।

फर्जी हस्ताक्षर मामले में बराप नामग्याल भूटिया को क्लीन चिट

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 10 जुलाई। सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट पार्टी के कार्यकर्ता बराप नामग्याल भूटिया को मुख्यमंत्री पीएस गोले का फर्जी हस्ताक्षर करने के मामले में जिला अदालत से क्लीन चिट मिल गयी है। उन पर यह मामला सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के एक कार्यकर्ता ने 2010 में दर्ज कराया था। एसडीएफ कार्यकर्ता पर मुख्यमंत्री एवं एसकेएम के दो अन्य बड़े नेताओं के फर्जी हस्ताक्षर कर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया गया था।

इस अवसर पर आज पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर बराप भूटिया ने बताया कि मई 2022 को अदालत द्वारा सुनाये गये फैसले में कहा गया कि उन पर मुख्यमंत्री का फर्जी हस्ताक्षर करने का आरोप गलत है और अब मैं इस आरोप से मुक्त हो गया हूं। भूटिया ने बताया कि मेरे खिलाफ एफआईआर के बाद घर में छापेमारी कर मुझे गिरफ्तार कर 15 दिनों तक रोंगे जेल में रखा गया। वहीं मेरे ऊपर फर्जी हस्ताक्षर का आरोप लगाने वाले एसकेएम कार्यकर्ता सुकराहांग लिम्बू के पास इसके कोई सबूत नहीं थे। उनके अनुसार वह पत्र जिस पर मेरे द्वारा फर्जी हस्ताक्षर करने का आरोप लगाया गया था, उसे एसकेएम के ही एक अन्य कार्यकर्ता पेमा छुलटिम ने अपने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित किया था। इसका मतलब यह हुआ कि यह एसकेएम पार्टी के अंदर से ही प्रसारित किया गया था। इसके साथ ही उन्होंने मामले की जांच करने वाली टीम पर भी सवाल उठाया।

भूटिया ने कहा कि मामले की जांच करने वाली टीम के प्रमुख अधिकारी किशोर छेत्री ने जानबूझ कर देरी करते हुए चार्ज शीट दाखिल करने में 18 महीने लगा दिये। वहीं जांच अधिकारी मामले में मुख्यमंत्री का बयान भी रिकॉर्ड नहीं कर पाये। इसके अलावा जांच अधिकारी छेत्री ने सोशल मीडिया में पत्र साझा करने वाले एसकेएम कार्यकर्ता छुलटिम से भी कोई पूछताछ नहीं की। ऐसे में राज्य की कानून-व्यवस्था को भयानक एवं एकतरफा बताते हुए भूटिया ने कहा कि मेरा केस इस बात का जीवंत उदाहरण है कि किस प्रकार एसकेएम राज्य में संगठित अपराध कर रही है। एसडीएफ कार्यकर्ता ने आगे कहा कि इस झूठे आपराधिक मामले में फंसा कर जेल भेजे जाने से उन्हें काफी मानसिक एवं शारीरिक परेशानियों के साथ ही आर्थिक हानि भी झेलनी पड़ी है। ऐसे में उन्होंने अदालत का धन्यवाद देते हुए मामले में मानहानि का एक केस करने की बात कही है।

कालेधन के लिए कुछ नहीं किए, काले कपड़ों को मुद्दा बना रहे पीएम : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेन्सी)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक टिप्पणी को लेकर उन पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री कालाधन वापस लाने के वादे को पूरा करने के लिए कुछ नहीं कर पाए तो अब वह काले कपड़ों को बेमतलब का मुद्दा बना रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने महंगाई के विरोध में पांच अगस्त को काले कपड़े पहनकर प्रदर्शन करने को लेकर बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि जो लोग काले जादू में विश्वास करते हैं वे कभी भी फिर से लोगों का विश्वास नहीं जीत पाएंगे।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, 'ये काला धन लाने के लिए तो कुछ कर नहीं पाए, अब काले कपड़ों को लेकर बेमतलब का मुद्दा बना रहे हैं। देश चाहता है कि प्रधानमंत्री उनकी समस्याओं पर बात करें लेकिन जुमला जीवी कुछ भी बोलते रहते हैं।' उन्होंने प्रधानमंत्री की एक तस्वीर भी साझा की जिसमें वह काले कपड़े पहने हुए और गंगा में डुबकी लगाते देखे जा सकते हैं।

बुधवार को हरियाणा के पानीपत में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए एथनॉल संयंत्र का उद्घाटन के बाद विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'शॉर्टकट अपनाने से शॉर्टसर्किट अवश्य होता है। हमारी सरकार शॉर्टकट पर चलने के बजाय समस्याओं के स्थायी समाधान में जुटी है। पराली की दिक्कतों के बारे में भी बरसों से कितना कुछ कहा गया। लेकिन शॉर्टकट वाले इसका समाधान नहीं दे पाए।'

उन्होंने पांच अगस्त को काले कपड़ों में विपक्ष के विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा, 'ये लोग सोचते हैं कि काले कपड़े पहनकर, उनकी निराशा-हताशा का दौर समाप्त हो जाएगा। लोग कितना भी झाड़-फूंक, काला जादू कर लें जनता का विश्वास अब उनपर दोबारा कभी नहीं बन पाएगा।'

आरसीपी सिंह बीजेपी एजेंट, जेडीयू को 2020 हराने की भाजपाई साजिश में शामिल : ललन सिंह

पटना, 10 अगस्त (का.सं.)। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण के बाद जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने आरसीपी सिंह पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि आरसीपी सिंह बीजेपी के एजेंट की तरह काम कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा 2020 के चुनाव में जदयू को हराने के षड्यंत्र में भाजपा के साथ आरसीपी सिंह भी मिले हुए थे। एनडीए से गठबंधन तोड़ने को लेकर नीतीश कुमार ने कहा- भाजपा नेताओं द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लगातार अपमानित किया जा रहा था।

ललन सिंह ने कहा- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को काफी हद तक भाजपा के रवैये को बर्दाश्त किया पर तंग आकर एनडीए छोड़ना पड़ा। यही नहीं, उन्होंने ये भी कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार में पीएम बनने की सारी योग्यताएं है। बीजेपी नेता सुशील मोदी के बयान का जवाब देते हुए ललन सिंह ने कहा कि सुशील मोदी सफेद झूठ बोल रहे हैं कि मुख्यमंत्री उपराष्ट्रपति बनना चाहते थे।

गौरतलब है कि पिछले दिनों जेडीयू ने आरसीपी सिंह पर 9 सालों में 800 कट्ठा जमीन खरीदने का आरोप लगाया था। जेडीयू ने आरसीपी सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए 9 सालों में अकूत संपत्ति जमा करने का आरोप लगाया था।

जेडीयू के नोटिस के मुताबिक नालंदा जिले के दो प्रखंड अस्थावां और इस्लामपुर में ही आरसीपी सिंह ने 40 बीघा जमीन खरीदी है। यही नहीं, पार्टी ने ये भी आरोप लगाया था कि 2016 में आरसीपी सिंह ने अलफनामे में इन संपत्तियों का जिक्र नहीं किया था। अपने ऊपर लगे आरोपों के बाद आरसीपी सिंह ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

कर्जे माफ नहीं होते तो दूध-दही पर जीएसटी लगाने की जरूरत नहीं होती : केजरीवाल

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेन्सी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर 10 लाख करोड़ रुपए के कर्जे माफ नहीं किए जाते, तो आज देश इस तरह घाटे की स्थिति में नहीं होता और दूध-दही पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने की जरूरत नहीं पड़ती।

केजरीवाल ने बुधवार को एक वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेवड़ी कल्चर वाले बयान पर बिना किसी का नाम लिए कहा कि यह कहा गया है कि अगर जनता को फ्री सुविधाएं दी जाएंगी, तो इससे देश को नुकसान होगा, इससे टैक्स देने वालों के साथ धोखा होगा। मुझे लगता है कि टैक्स देने वालों के साथ धोखा तब होता है, जब उनसे टैक्स लेकर और उस टैक्स के पैसे से अपने चंद दोस्तों के बैंकों के कर्जे माफ किए जाते हैं।

उन्होंने कहा कि टैक्स देने वाला सोचता है कि पैसा तो मुझसे लिया था और यह कह कर लिया था कि आपके लिए सुविधाएं बनाएंगे और मेरे पैसे से अपने दोस्तों के कर्जे माफ कर दिए। तब पूरे देश का टैक्स देने वाला व्यक्ति धोखा महसूस करता है।

टैक्स देने वाला यह देखता है कि मेरे से तो टैक्स लिया, खाने-पीने की चीजों पर जीएसटी लगा दिया। दूध, दही और छाछ पर जीएसटी लगा दिया और अपने बड़े-बड़े अमीर दोस्तों के टैक्स माफ कर दिए। टैक्स देने वालों के साथ धोखा इससे नहीं होता है कि हम उनके बच्चों को अच्छी और फ्री शिक्षा देते हैं, टैक्स देने वालों के साथ धोखा इससे नहीं होता है कि हम देश के लोगों का फ्री में अच्छा इलाज कराते हैं।

उन्होंने कहा कि मैं समझता हूं कि अगर 10 लाख करोड़ रुपए के कर्जे माफ नहीं किए जाते, तो आज देश इस तरह घाटे की स्थिति में नहीं होता। हमें दूध-दही के उपर जीएसटी लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। देश के अंदर यह जनमत कराया जाए कि क्या सरकारी पैसा एक परिवार के लिए इस्तेमाल होना चाहिए। एक पार्टी है, जो चाहती है कि सारा सरकारी पैसा एक परिवार के लिए इस्तेमाल हो। जनता से पूछा जाए कि क्या सरकारी पैसा एक परिवार के लिए इस्तेमाल होना चाहिए। दूसरी विचारधारा है कि क्या सरकारी पैसा चंद दोस्तों के लिए इस्तेमाल होना चाहिए।

वहीं, तीसरा मॉडल है कि क्या सरकारी पैसा इस देश के आम लोगों को अच्छी सुविधाएं, अच्छी शिक्षा, अच्छे अस्पताल और अच्छी सड़कें बनाने के लिए इस्तेमाल होना चाहिए। यह जो एक माहौल बनाया जा रहा है कि जनता को फ्री की सुविधाएं देने से देश को नुकसान होगा, तो फिर सरकार का काम क्या है ? अगर जनता जितना टैक्स देती है, उससे जनता को ही सुविधाएं नहीं देंगे और सारी सुविधाएं अपने दोस्तों को देंगे, तो फिर जनता के साथ धोखा ही होगा।

बुजुर्ग महिलाओं को जल्द फ्री बस सेवा देगी योगी सरकार

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेन्सी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी ने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत रक्षाबंधन के एक दिन पूर्व प्रदेशवासियों को डबल उपहार दिया है।

उन्होंने परिवहन निगम की 150 नई बसों को हरी झंडी दिखाने से पहले आयोजित कार्यक्रम में कहा कि आज जैसे हम रक्षाबंधन पर 48 घंटे तक बहन-बेटियों के लिए फ्री में बस सेवा दे रहे हैं, वैसे ही बहुत शीघ्र 60 वर्ष से ऊपर की हर माता-बहन को प्रदेश में फ्री बस सेवा देंगे।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित परिवहन निगम के कार्यक्रम के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि जब यह प्रस्ताव मेरे पास आया तो मैंने कहा कि रक्षाबंधन से अच्छा दिन क्या हो सकता है। हर जिले को दो-दो बसें दीजिए। आज मध्य रात्रि से हम बहन और बेटियों को 48 घंटे तक फ्री में बस सुविधा उपलब्ध कराने जा रहे हैं। तब तक हर जिले में दो-दो बसें पहुंच चुकी होंगी।

उन्होंने परिवहन निगम की ड्राइवर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश की आवश्यकता के साथ वैश्विक परिआॅप्य में कहां, क्या आवश्यकता है, उसके अनुसार हमें अपने इंस्टीट्यूट को तैयार करना होगा। अपनी वर्कशाप को आईटीआई और पॉलिटेक्निक के साथ जोड़कर अधिक से अधिक अभ्यास कराने का प्रयास करना होगा।

कहा कि प्रदेश में हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती सड़क दुर्घटना से होने वाली मौतें हैं। कोरोना जैसी महामारी ने, जिसने दुनिया को पस्त कर दिया, उस दौरान भी हमें मौतों को न्यूनतम रखने में सफलता मिली, लेकिन सड़क दुर्घटना के पीछे क्या कारण हैं, इसे हमने ढूंढने और उसके तह में जाने की आवश्यकता है। अगर हम इसमें सफल हो पाएंगे, तो निश्चित ही कहीं न कहीं इसे कंट्रोल करने में मदद मिलेगी।

सीएम योगी ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले कार्यकाल के दौरान तमाम राज्यों से एमओयू किए थे ताकि हमारी बसें बेधड़क दूसरे राज्यों में जा सकें। इंटर स्टेट कनेक्टिविटी को बेहतर करने के लिए बेहतरीन प्रयास करने की आवश्यकता है। जो बसें जर्जर हैं, अपनी आयु पूरी कर चुकी हैं, उन्हें बेड़े से हटाकर फेज वाइज क्रय किए जाने चाहिए, ताकि कंडम हो चुकी बसों को बेड़े से बाहर करके नई बसों को शामिल कर सकें। हमारा प्रयास होना चाहिए कि परिवहन निगम की बसें हों या सड़कों पर चलने वाले कोई भी वाहन हों, ड्राइवर की टेस्टिंग हर साल होनी चाहिए। आनलाइन सुविधा दें, ऐसे सेंटर विकसित करें।

योगी ने कहा कि आम आदमी जब घर से बाहर निकलता है, तो सबसे पहले उसका वास्ता हमारे बसों और बस अड्डों से पड़ता है और फिर वह उन साधनों का प्रयोग करके अपने गंतव्य तक पहुंचता है। हमें तेजी से बस स्टेशन को हाई क्लास स्टेशन के रूप में बदलना होगा। परिवहन निगम की बसें या अनुबंधित बसें प्रदेश के करीब एक लाख 10 हजार से अधिक राजस्व गांवों को जोड़ने के सबसे अच्छे माध्यम हैं।

एमएसएमई क्षेत्र को बैंक क्रेडिट प्रदर्शन की समीक्षा

अनुगामनी का.सं.

गंगटोक, 10 अगस्त। भारतीय रिजर्व बैंक, गंगटोक द्वारा एमएसएमई को लेकर अधिकार प्राप्त समिति की 10वीं बैठक आज गंगटोक में आयोजित की गयी। इस दौरान राज्य में एमएसएमई क्षेत्र को 30 जून 2022 तक के बैंक क्रेडिट प्रदर्शन की समीक्षा की गयी।

बैठक की अध्यक्षता आरबीआई गंगटोक के महाप्रबंधक एवं प्रभारी अधिकारी किशोर परियार ने की। वहीं इसमें केवीआईसी निदेशक श्रीमती साले पाओ, सिक्किम सरकार के वाणिज्य व उद्योग विभाग के उप-निदेशक तोख्रदेन जांग्पो, नाबार्ड सिक्किम के महा प्रबंधक सह प्रभारी एसके गुप्ता मुख्य रूप से शामिल हुए। इनके अलावा इस अवसर पर एमएसएमई-डीआई, डीआईसी, एसईईडी प्रकोष्ठ के वरिष्ठ अधिकारी और राज्य के विभिन्न बैंकों के क्षेत्रीय प्रमुख भी उपस्थित रहे।

यहां अपने उद्घाटन भाषण में आरबीआई गंगटोक के जीएम किशोर परियार ने भारतीय अर्थव्यवस्था के समग्र विकास में एमएसएमई क्षेत्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इस क्षेत्र में क्रेडिट प्रवाह बढ़ाने की दिशा में सरकार एवं आरबीआई द्वारा उठाये गये कदमों की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने उपस्थित सभी हितधारकों से सिक्किम में एमएसएमई क्षेत्र के विकास हेतु विभिन्न विचारों के बेहतर कार्यान्वयन के लिये पहल करने का आग्रह किया। वहीं उन्होंने इस वर्ष मार्च से जून की तिमाही में क्रेडिट प्रवाह में 4.01 फीसदी की वृद्धि पर बैंकों की सराहना की।

कार्यक्रम में राज्य के वाणिज्य व उद्योग विभाग के उप-निदेशक तोख्रदेन जांग्पो ने एमएसएमई क्षेत्र की बेहतरी तथा राज्य में उद्यमिता के बढ़ावे हेतु सिक्किम सरकार द्वारा की गयी पहलों पर प्रकाश डाला। वहीं नाबार्ड के महाप्रबंधक एसके गुप्ता ने राज्य में वित्तीय जागरूकता फैलाने के लिये नाबार्ड द्वारा जारी किये गये फंड के बारे में जानकारी दी और बैंकों को एफआईएफ प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहित किया।

इसके अलावा प्रधानमंत्री रोजगार गारंटी योजना के तहत दिये गये ऋण 30 जून 2022 तक वित्त वर्ष 2022-23 के वार्षिक लक्ष्य का 31 फीसदी रहा था। वहीं स्टैंड-अप इंडिया योजना के तहत तिमाही आधार पर ऋण वृद्धि 14.62 फीसदी थी। इसी तरह प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत राज्य में एडवांस के क्षेत्र में 14.28 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। कार्यक्रम में अपने समापन भाषण में परियार ने बैंकों को नये उद्यमियों को ऋण मुहैया करने और राज्य का समग्र आर्थिक विकास सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करने को प्रोत्साहित किया।

2020 में सुशील मोदी को बनाते बिहार सीएम तो चीजें ऐसे न बिगड़ती : सीएम नीतीश

पटना, 10 अगस्त (का.सं.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि भाजपा अपने वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी को 2020 के विधानसभा चुनावों के बाद सीएम बना देते तो चीजें यूं न बिगड़ती। जेडीयू नेता नीतीश कुमार का यह बयान उस वक्त सामने आया जब उन्होंने बिहार में आठवीं बार सीएम पद की शपथ ली और सुशील मोदी ने उन पर हमला बोलते हुए कहा कि साल 2020 में पीएम मोदी के कहने पर उन्हें सीएम बनाया गया था।

नीतीश कुमार, जिन्होंने मंगलवार को भाजपा से नाता तोड़ लिया और मुख्यमंत्री के रूप में वापसी के लिए विपक्षी राजद के साथ हाथ मिलाया, ने अपने पूर्व कार्यकाल में डिप्टी सीएम रहे सुशील मोदी द्वारा खुद पर लगाए गए आरोपों के जवाब दिया। सुशील मोदी के बारे में सवालों के जवाब में नीतीश कुमार ने संवाददाताओं से कहा, 'वह एक प्रिय मित्र रहे हैं। उन्हें मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनाया गया ? यदि उन्हें इस पद पर नियुक्त किया गया होता, तो चीजें इस स्तर तक नहीं पहुंचती।'

नीतीश कुमार यह कहते रहे हैं कि वह चुनाव के बाद भी पद पर बने रहने के मूड में नहीं थे, जिसमें उनकी पार्टी का प्रदर्शन खराब रहा, लेकिन भाजपा के नेताओं के आग्रह पर वह नरम रहे। जद (यू) नेताओं द्वारा व्यक्त 'सर्वसम्मति' को ध्यान में रखते हुए एनडीए गठबंधन से नाता तोड़ा। उन्होंने भाजपा पर पार्टी को खत्म करने की 'साजिश' का आरोप लगाया था।

नीतीश में पीएम बनने की सारी योग्यता : ललन सिंह

पटना, 10 जुलाई (का.सं.)। बिहार में सत्ता परिवर्तन हो चुका है और महागठबंधन की सरकार बन चुकी है। आज नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री और तेजस्वी यादव ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ले ली। इसी बीच बीजेपी ने नीतीश कुमार पर जोरदार हमला बोलते हुए धोखेबाज करार दे दिया तो जदयू ने भी बीजेपी पर पलटवार किया है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार में पीएम बनने की सारी योग्यताएं है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा नेता सुशील मोदी सफेद झूठ बोल रहे हैं कि मुख्यमंत्री उपराष्ट्रपति बनना चाहते थे।

ललन सिंह ने पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बीजेपी नेताओं द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लगातार अपमानित किया जा रहा था। मुख्यमंत्री ने काफी हद तक भाजपा के रवैये को बर्दाश्त किया, पर तंग आकर एनडीए छोड़ना पड़ा। जदयू अध्यक्ष ने यह भी कहा कि आरसीपी सिंह बीजेपी के एजेंट के तौर पर काम कर रहे थे। 2020 के चुनाव में जदयू को हराने के षड्यंत्र में भाजपा के साथ आरसीपी सिंह भी मिले हुए थे।

वहीं दूसरी ओर बीजेपी नेता सुशील मोदी ने नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला। सुशील मोदी ने कहा कि यह बात सरासर झूठ है कि बिना नीतीश की सहमति के ही आरसीपी सिंह को केंद्र सरकार में मंत्री बनाया गया।

उन्होंने कहा कि आरसीपी के नाम की सिफारिश खुद नीतीश कुमार ने ही की थी।

बिहार का उपमुख्यमंत्री रह चुके मोदी ने यह भी दावा किया कि बीजेपी ने कभी भी जदयू को तोड़ने की कोशिश नहीं की। सुशील मोदी ने कहा कि अमित शाह ने नीतीश कुमार से एक नाम देने को कहा था, इस पर नीतीश ने ही आरसीपी सिंह का नाम दिया था। उन्होंने यह भी का कि नीतीश ने उस समय कहा था कि इससे ललन सिंह थोड़े नाराज होंगे लेकिन आरसीपी सिंह को बना दीजिए। इसलिए यह बात सफेद झूठ है कि आरसीपी सिंह को बिना नीतीश की सहमति से केंद्र सरकार में मंत्री बनाया गया।

नीतीश कुमार की नई सरकार में तेजस्वी के 17 मंत्री, जेडीयू से 13, कांग्रेस से 4, हम से 1 मिनिस्टर बनेंगे

आरजेडी की कोटे में जाएगा विधानसभा अध्यक्ष का पद

पटना, 10 जुलाई (का.सं.)। बिहार में महागठबंधन की नई सरकार के मुखिया नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। अब राज्य में मंत्रिपरिषद के गठन की कवायद शुरू हो गई है। नीतीश कुमार की नई सरकार में अधिकतम 35 विधायक मंत्री बन सकते हैं। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार के नए मंत्रिपरिषद में आरजेडी के सबसे ज्यादा मंत्री होंगे। वहीं, जेडीयू से अधिकतर पुराने चेहरों को शामिल किया जाएगा। कांग्रेस के चार और हिंदुस्तान आवाम मोर्चा के एक विधायक को मंत्री बनाया जा सकता है।

बिहार में मौजूदा विधायकों की संख्या के मुताबिक मुख्यमंत्री को छोड़कर 35 मंत्री बन सकते हैं। किस पार्टी के कितने नेताओं को मंत्रिपरिषद में शामिल किया जाएगा, इसका ऐलान अभी नहीं हुआ है। मगर कैबिनेट में पावर शेयरिंग का फॉर्मूला लगभग तय हो चुका है।

बिहार में कुल विधायकों की संख्या 243 है। इनमें से 164 विधायकों ने नीतीश कुमार को समर्थन दिया है।

हालांकि वामदलों ने सरकार में शामिल नहीं होने का फैसला लिया है, वे सिर्फ बाहर से महागठबंधन को समर्थन देंगे। ऐसे में देखा जाए तो 143 विधायक ही सीधे तौर पर सरकार का हिस्सा रहेंगे। इनमें से अधिकतम 35 को मंत्री बनाया जा सकता है। यानी कि चार विधायकों पर एक विधायक का फॉर्मूला लागू हो सकता है।

बिहार विधानसभा में लालू प्रसाद यादव की आरजेडी सबसे बड़ी पार्टी है। इसलिए आरजेडी कोटे से सबसे ज्यादा 16 मंत्री बनाए जा सकते हैं। वहीं जेडीयू कोटे से 13 मंत्री बनने की चर्चा है। इसके अलावा कांग्रेस से अधिकतम चार, जीतनराम मांझी की हम से एक मंत्री बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सबसे अहम माने जाने वाला गृह विभाग अपने पास ही रखेंगे। चर्चा थी कि तेजस्वी यादव ने उनसे यह विभाग मांगा था। मगर जब भी नीतीश मुख्यमंत्री बने, गृह विभाग उनके पास ही रहता है। इससे राज्य में पुलिस और कानून व्यवस्था का पूरा कंट्रोल उन्हीं के पास होता है। तेजस्वी यादव को शिक्षा या सड़क निर्माण जैसे अहम विभाग दिए जा सकते हैं। वहीं, बीजेपी के पास जो पुराने पोर्टफोलियो थे, वे आरजेडी, कांग्रेस और हम के हिस्से जाने हैं।

महागठबंधन सरकार के मुखिया नीतीश कुमार की नई मंत्रिपरिषद में जेडीयू कोटे से लगभग पुराने नेताओं को ही शामिल किया जाएगा। जेडीयू संसदीय बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को भी मंत्री बनाया जा सकता है। वहीं, आरजेडी कोटे से तेजस्वी यादव डिप्टी सीएम बन रहे हैं। उनके अलावा तेज प्रताप यादव, आलोक कुमार मेहता, चंद्रशेखर, सुनील कुमार सिंह, भाई वीरेंद्र, अनीता देवी, सुरेंद्र यादव का नाम चर्चा में है। कांग्रेस की ओर से अजीत शर्मा, मदन मोहन झा, शकील अहमद और राजेश राम को मंत्री बनने की रेस में सबसे आगे हैं। हम से संतोष कुमार सुमन का मंत्री बनना लगभग तय है। वहीं निर्दलीय सुमित कुमार सिंह भी मंत्री बन सकते हैं, वे एनडीए सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं।

महागठबंधन सरकार में विधानसभा अध्यक्ष का पद आरजेडी के हिस्से में जाने के आसार हैं। आरजेडी में सबसे वरिष्ठ और सुलझे हुए विधायक अवध बिहारी को विधानसभा स्पीकर बनाया जा सकता है।

15 अगस्त के बाद 'अग्निपथ' के विरोध में सड़क पर उतरेगी कांग्रेस, किसान आंदोलन का भी करेगी समर्थन

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेन्सी)। संसद का मॉनसून सत्र समय से पहले खत्म होने के लेकर कांग्रेस ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। कांग्रेस का कहना है कि भाजपा सरकार ने इसलिए संसद का सत्र जल्दी खत्म कर दिया ताकि कांग्रेस अपनी आवाज ना उठा सके। कांग्रेस का कहना है कि उसे बेरोजगारी, एमएसपी पैनल और अग्निपथ योजना के खिलाफ आवाज उठानी थी लेकिन भाजपा ने ऐसा नहीं करने दिया।

राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, मॉनसून सत्र शुरू होने से पहले ही हमने अपने मुद्दे बताए थे। हमने नियमों के मुताबिक नोटिस दिए और अपनी बात रखने की कोशिश भी की। लेकिन हमारी कोशिशों को बेकार कर दिया गया। देश इसका गवाह है। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी संयुक्त किसान मोर्चा के 'जय जवान, जय किसान' अभियान का पूरा समर्थन करेगी।

हुड्डा ने कहा कि अग्निपथ योजना देश के लोगों केलिए काफी मायने रखती है ऐसे में सरकार संसद पर इसपर चर्चा करने से भाग क्यों रही है? उन्होंने कहा कि कई बार कोशिश करने के बाद भी सरकार ने अग्निपथ योजना पर चर्चा नहीं की। 15 अगस्त के बाद पार्टी इस योजना के विरोध में सड़कों पर उतरेगी। कांग्रेस बेरोजगारी और अग्निपथ योजना को लेकर विरोध प्रदर्शन करेगी।

बता दें कि मॉनसून सत्र के दौरान कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियों ने रूल 267 के तहत कई बार सस्पेंशन ऑफ बिजनस नोटिस दिया और सदन के अंदर भी चर्चा की मांग को लेकर हंगामा हुआ। उधर भाजपा भी कहती रही कि वह महंगाई पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष चर्चा नहीं करना चाहता सिर्फ सदन की कार्रवाई में बाधा पैदा करना चाहता है।

इसी बीच भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने बुधवार को कहा कि किसानों को इकट्ठा होकर आंदोलन के लिए तैयार हो जाना चाहिए। अगर वे अपनी जीवन और जमीन बचाना चाहते हैं तो उन्हें आंदोलन में उतरना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने अपने चुनावी वादे पूरे नहीं किए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों से फ्री बिजली का वादा किया गया था लेकिन बिजली की दरें बढ़ा दी गईं और कटौती भी ज्यादा होने लगी।

नीतीश कुमार 8वीं बार बने सीएम, तेजस्वी ने शपथ के बाद लिया चाचा का आशीर्वाद

पटना, 10 अगस्त (का.सं.)। नीतीश कुमार ने 8वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली है। पटना स्थित राजभवन में राज्यपाल फागू चौहान ने बुधवार दोपहर में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। उनके साथ राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव ने भी मंत्री पद की शपथ ग्रहण की है। वे दूसरी बार राज्य के डिप्टी सीएम बने हैं। महागठबंधन की नई सरकार में मंत्रिपरिषद का गठन बाद में किया जाएगा। शपथ लेने के बाद तेजस्वी यादव ने 'चाचा' नीतीश का पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के परिवार के कई सदस्य मौजूद रहे। पूर्व सीएम राबड़ी देवी, उनके बेटे तेज प्रताप यादव, तेजस्वी यादव की पत्नी समेत आरजेडी के कई बड़े नेता शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे।

शपथ ग्रहण के बाद नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार की जनता नई सरकार से बहुत खुश हैं। 2020 का जो चुनाव हुआ जेडीयू के साथ गलत व्यवहार हुआ। हमारी पार्टी के विधायक बोलते रहे लेकिन कि बीजेपी का साथ छोड़ दिया जाए। आखिरकार हमने बीजेपी का साथ छोड़ दिया। नीतीश कुमार ने कहा कि कुछ लोगों को लगता है कि विपक्ष खत्म हो जाएगा, लेकिन अब हम भी विपक्ष में आ गए हैं। विपक्ष और मजबूत होगा। नीतीश कुमार ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्षी पार्टियां एकजुट होंगी। बीजेपी ने 2014 में जैसा प्रदर्शन किया था, वो 2024 में बरकरार नहीं रख पाएगी। जब नीतीश कुमार से 2024 में विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे, तो उन्होंने कहा कि यह अभी तय नहीं हुआ है और उनकी ऐसी कोई मंशा नहीं है।

जन उन्मुक्ति दिवस ......

परिवर्तन की लहर को बरकरार रखने हेतु अनथक कार्य किये। उसके बाद जब वे रिहा हुए तो वह अपने प्रिय नेता को सामने पाकर उसकी खुशी मनाने का समय था। ऐसे में इस दिन को उत्सव के तौर पर मनाने के हमारे पास पर्याप्त कारण हैं। उनकी आवाज दबाने और परिवर्तन हेतु उन्हें जनता का नेतृत्व करने से रोकने की सभी कोशिशें विफल साबित हुईं हैं।

एसकेएम नारी शक्ति महासचिव ने आगे कहा कि रिहाई के बाद हमारे नेता ने सामने आकर लड़ाई करते हुए 25 वर्षों पुरानी तानाशाही सरकार से हमें मुक्ति दिलायी है। यह वास्तविकता है कि भारी जनादेश के बाद वे राज्य के वर्तमान मुख्यमंत्री हैं और एसकेएम पार्टी की सरकार जनता की, जनता के द्वारा और जनता के लिये हैं। हम इसे बड़ी सक्षमता एवं कुशलता से चला रहे हैं। पार्टी विज्ञप्ति के अनुसार किसी चीज पर सवाल उठाया जा सकता है, लेकिन जनादेश पर आरोप लगाते हुए जन उन्मुक्ति दिवस को धोखा दिवस बताना स्वयं को ही धोखा देना है। सच्चाई यह है कि पिछले तीन वर्षों में सरकार का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है, जिसने राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्र शामिल हैं। ऐसे में इस प्रकार का आरोप लगाना बेवकूफी भरा है।

चामलिंग चुनाव लड़ने ......

मुख्यमंत्री नहीं होगा। मेरा कार्यकाल पूरा होने के बाद, मैं पार्टी का स्तंभ बनूंगा, राज्य की बेहतरी के लिए पार्टी का मार्गदर्शन करूंगा। जब मैं मिंतोकगांग (मुख्यमंत्री का सरकारी आवास) से निकलूंगा तो रोऊंगा नहीं, खुशी से जाऊंगा।

एसडीएफ से किसी ......

करते हुए सम्बंधित व्यक्तियों से अपने फायदे के लिये ऐसी झूठी एवं कल्पनीय बातें फैला कर एसडीएफ जैसी जनप्रिय पार्टी को बदनाम न करने की बात कही है। एसडीएफ के अनुसार ऐसे अराजनीतिक चरित्र वालों से लोकतंत्र, जनता तथा राज्य को ही नुकसान होता है और पार्टी उनसे अपने विवेक के अनुसार काम करने की सलाह देती है।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR TORSA MORNING
WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:89 DrawDate on:10/08/22
1st Prize ₹1 Crore/- 98D 37239
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 37239 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
28523 35333 35564 48405 49648 67050 67162 74367 75679 99807
3rd Prize ₹450/-
0307 1703 3245 4390 4394 5337 6908 7110 9051 9929
4th Prize ₹250/-
0162 4287 4921 5078 5693 7553 8892 8937 9024 9028
5th Prize ₹120/-
0007 0073 0305 0350 0356 0402 0441 0621 0870 1329
1473 1731 1842 1845 2016 2134 2157 2262 2282 2369
2480 2581 2678 2784 2958 3223 3254 3268 3362 3601
3609 3635 4075 4137 4263 4311 4319 4333 4382 4396
4448 4494 4772 5039 5158 5303 5509 5783 5946 5965
6035 6229 6276 6351 6552 6583 6621 6723 6812 6898
7037 7062 7117 7188 7208 7332 7360 7442 7524 7602
7670 7722 7849 7858 7955 8210 8359 8455 8466 8539
8681 8736 8748 8769 8778 8912 9001 9087 9139 9220
9341 9347 9397 9496 9576 9594 9683 9762 9913 9946
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MERCURY WEDNESDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:89 DrawDate on:10/08/22
1st Prize ₹1 Crore/- 94K 06796
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 06796 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02564 17989 39020 56303 59694 63300 64524 82668 91555 97709
3rd Prize ₹450/-
0080 0381 4337 4997 5743 5855 6582 8583 9260 9377
4th Prize ₹250/-
0613 2183 2458 2552 2602 3752 4247 6775 8344 9598
5th Prize ₹120/-
0033 0074 0082 0100 0229 0277 0308 0513 0523 0584
0624 0735 0852 0961 1006 1246 1308 1537 1553 1715
1755 2130 2319 2709 2788 2861 2903 2905 3171 3172
3231 3358 3388 3396 3461 3510 3548 3700 3776 3808
4058 4094 4101 4140 4195 4234 4305 4330 4379 4488
4529 4573 4600 4622 4700 4766 4813 4951 5095 5177
5234 5305 5375 5409 5445 5607 5651 5725 5795 5938
6258 6545 6725 6773 6888 6963 7164 7208 7306 7497
7593 7773 7852 8148 8179 8316 8393 8409 8427 8590
8616 8677 8759 8786 8805 9025 9162 9328 9616 9888
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR EAGLE EVENING
WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:189 DrawDate on:10/08/22
1st Prize ₹1 Crore/- 41K 57857
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 57857 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
00935 13042 18303 21717 41185 44043 54229 73003 82422 97574
3rd Prize ₹450/-
0281 0456 0547 0879 2097 2458 3474 8599 8682 9772
4th Prize ₹250/-
0645 1112 2071 2314 4223 5563 7641 7880 8868 9519
5th Prize ₹120/-
0051 0166 0203 0230 0367 0740 0754 0944 1064 1070
1109 1182 1278 1559 1583 2187 2199 2231 2255 2361
2366 2419 2586 2768 3019 3148 3622 3708 3816 3884
4047 4052 4056 4495 4591 4721 4855 4948 4983 5295
5343 5362 5443 5527 5529 5558 5592 5593 5939 6006
6023 6146 6181 6455 6517 6589 6630 6678 6691 6720
6810 6879 6882 6987 7056 7175 7265 7300 7310 7321
7360 7486 7559 7576 7637 7922 8014 8192 8207 8300
8304 8359 8444 8615 8719 8741 8747 8766 8811 8943
9035 9038 9094 9280 9363 9387 9596 9755 9806 9987
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

GOVERNMENT OF SIKKIM
FOOD & CIVIL SUPPLIES DEPARTMENT
SECRETARIAT ANNEXE – I, GANGTOK, SIKKIM- 737101
Tel: Office (03592-202708) Fax: (03592-202215)
Notice for Tender

No.: 337/F&CS/GOS 31(55) Date : 10/08/2022

Food & Civil Supplies Department, Government of Sikkim, invites online Tender (Technical Bid and Financial Bid) for Procurement and Installation of IRIS SCANNER at Fair Price Shops in the State of Sikkim.

Procurement Summary Sheet

Name of the Company	Food & Civil Supplies Department, Government of Sikkim	
Procurement Reference Number		
Cost of the earnest Money Deposit (EMD)	2.00 lakhs (Two Lakhs)	
Date of Publishing of the Tender Document	Date: 12/08/2022	Time: 11.00 AM
Last Date for receipt of queries	Date: 07/09/2022	Time: 03.00 PM
Last date and time for receipt of Bid	Date: 13/09/2022	Time: 11.00 AM
Technical Bid Opening	Date: 13/09/2022	Time: 03.00 PM
Opening of Financial Bid	Date and Time : 13/09/2022 at 3.00 PM	
Primary point of contact for RFP process related queries	Name : Tenzeen T. Bhutia Designation: Joint Director (IT) Email: secy-food@Sikkim.gov.in Phone: 9434486354	
Place of Opening of Bids	O/o Special Secretary Department of Food & Civil Supplies Government of Sikkim Kazi Road, Gangtok – 737 101, East Sikkim	
Address for Communication	Department of Food & Civil Supplies Government of Sikkim Sonam Tshering Marg Gangtok- 737101, East Sikkim	
Tender Documents Fees	₹ 10,000.00 (Ten Thousand Only)	

The Food & Civil Supplies Department reserves the right to change the schedule mentioned above or mentioned elsewhere in the document, which will be communicated by placing the same as corrigendum on the e-Tender portal.

The Department reserves the right to reject any or all offers without assigning any reason. Tender offered will be opened in the presence of the bidder's representatives who choose to be present on the opening day.

NOTE FOR THE BIDDERS:-
There will be two (2) envelops:-
First envelop will contain Annexure II, III, IV, V, VI, VII, EMD, Trade License, GST Certificate, Tender document fee, CA audited certificate
Second Envelop will contain Annexure IX and X
Tender document may be downloaded from sikkimtender.gov.in.

Join Director/IT

R.O. No.: 114/IPR/PUB/Classi/2223, DT.: 10.08.2022

फिर से महागठबंधन

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर बीजेपी को बाय-बाय कह दिया है। मंगलवार को उन्होंने एनडीए से अपना गठबंधन तोड़ते हुए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। इसके ठीक बाद राज्य में आरजेडी, कांग्रेस और अन्य दलों की महागठबंधन सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई। हालांकि बिहार के लिए यह प्रयोग कोई नया नहीं है। 2013 में नीतीश के बीजेपी से गठबंधन तोड़ने का एलान करने के बाद 2015 के विधानसभा चुनाव में इस महागठबंधन ने जबर्दस्त जीत दर्ज की थी। लेकिन दो साल महागठबंधन सरकार चलाने के बाद नीतीश कुमार ने फिर से बीजेपी और एनडीए का दामन थाम लेना बेहतर समझा। अब एक बार फिर बीजेपी और एनडीए को छोड़कर महागठबंधन का यह प्रयोग दोहराया जा रहा है। लेकिन कहते हैं कि इतिहास खुद को दोहराता तो है, ज्यों का त्यों नहीं दोहराता। सो, इस प्रयोग को भी पूरी तरह पुराने अर्थों में नहीं समझा जा सकता। और, अगर नए, ताजा संदर्भों में देखें तो बिहार में एनडीए सरकार का गिरना खास तौर पर बीजेपी नेतृत्व के लिए झटका माना जाएगा। इसमें सबक भी सबसे ज्यादा उसी के लिए हैं। बीजेपी नेतृत्व पर पहले से यह आरोप लगता रहा है कि वह गठबंधन के अपने सहयोगी दलों को समुचित सम्मान नहीं देती और येन केन प्रकारेण अपने प्रभाव विस्तार की कोशिशों में लगी रहती है। महाराष्ट्र में हालांकि विपक्षी गठबंधन की सरकार थी, लेकिन जिस तरह से वहां सरकार गिराई गई, उसने बीजेपी नेतृत्व के तौर तरीकों को लेकर विपक्षी दलों के साथ-साथ सहयोगी दलों में भी आशंकाएं बढ़ाईं।

बिहार में जेडीयू की यह शिकायत पहले से रही है कि पिछले विधानसभा चुनावों में चिराग पासवान के जरिए उसकी सीटें कम करवाने में बीजेपी का ही हाथ रहा है। अगर आरसीपी सिंह के जरिए उसी तरह की साजिश फिर से रचने संबंधी आरोपों को सच न मानें तो भी यह सवाल तो बनता ही है कि बीजेपी नेतृत्व के आश्वासनों पर जेडीयू यकीन क्यों नहीं कर सका। इसका जवाब बीजेपी की उस आक्रामक रणनीति में निहित है, जिसके तहत प्रदेश बीजेपी नेताओं की ओर से जेडीयू और नीतीश कुमार के लिए असुविधाजनक हालात पैदा करने की कोशिशें लगातार की जाती रहीं। यही वजह थी कि पिछले दिनों पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की पटना में हुई बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का यह एलान भी बेअसर साबित हुआ कि पार्टी अगला विधानसभा चुनाव जेडीयू के साथ ही लड़ेगी और चुनाव के बाद मुख्यमंत्री भी नीतीश कुमार को ही बनाएगी। वैसे, हर पार्टी को अपनी जरूरतों और लक्ष्यों के अनुरूप अपनी रणनीति तय करने का अधिकार है, लेकिन एक अहम सहयोगी और हिंदी पट्टी का एक महत्वपूर्ण राज्य विपक्ष के हाथों गंवाने के बाद बीजेपी को इसे लेकर गहन आत्मचिंतन करने की जरूरत है।

महंगाई का साया

सतीश सिंह

एक अरसे से मुद्रास्फीति की वजह से अर्थव्यवस्था और आमजन, दोनों बेहाल हैं। हालांकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उठाए गए समीचीन कदमों से हाल के महीनों में मुद्रास्फीति का मिजाज कुछ नरम हुआ है, लेकिन अभी भी इसके बाणों से आमजन रोज घायल हो रहा है।

ऐसे में जरूरत थी, इसकी लगाम को थोड़ा और खींचा जाए। इसलिए रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने 5 अगस्त मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर में 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी की है।

रेपो दर के बढ़ने या घटने का सीधा असर महंगाई और ऋण दर पर पड़ता है। रेपो दर बढ़ने से ऋण दर में इजाफा होता है, वहीं, महंगाई में कमी आने की संभावना बढ़ जाती है, क्योंकि रेपो दर बढ़ने से बैंक महंगी दर पर कर्ज देते हैं, जिससे लोगों के पास पैसों की कमी हो जाती है। कम आय और उत्पादों की ज्यादा कीमत होने की वजह से मांग में कमी आती है और जब किसी उत्पाद की मांग में कमी आती है तो उसकी कीमत में भी कमी आती है। रिजर्व बैंक ने मुद्रास्फीति की सहनशीलता सीमा को 5 से 6 प्रतिशत के बीच रखा है। खुदरा मुद्रास्फीति जून में 7.01 प्रतिशत थी और यह लगातार छठे महीने केंद्रीय बैंक के लक्षित दायरे से ऊपर रही है। हालांकि मई में खुदरा मुद्रास्फीति नरम होकर 7.04 प्रतिशत रही, जो अप्रैल में 8 सालों के उच्च स्तर 7.79 प्रतिशत पर पहुंच गई थी।

रिजर्व बैंक ने ताजा मौद्रिक समीक्षा में कहा है कि वित्त वर्ष 2023 में खुदरा महंगाई दर 6.7 प्रतिशत रह सकती है। दूसरी तिमाही में महंगाई 7.1 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 6.4 प्रतिशत और अंतिम तिमाही में 5.8 प्रतिशत रह सकती है, जबकि वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में यह 5.0 प्रतिशत रह सकती है। अमेरिका में मुद्रास्फीति की सहनशीलता सीमा 2 प्रतिशत है, लेकिन वहां मई महीने में महंगाई 8.6 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई, जो दिसम्बर, 1981 के बाद सबसे अधिक है। वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था में मौजूद अनिश्चितता की वजह से ब्रिटेन और यूरोपीय देशों में भी मंहगाई अपने चरम पर पहुंच गई है।

अमेरिका में मुद्रास्फीति 40 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जिसके कारण फेडरल रिजर्व नीतिगत दरों में तेज इजाफा कर रहा है। फेडरल रिजर्व 2022 में अब तक ब्याज दरों में 225 आधार अंकों की बढ़ोतरी कर चुका है। फेडरल रिजर्व द्वारा नीतिगत दरों में वृद्धि करने से भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पूंजी की बड़ी निकासी हुई है क्योंकि विदेशी संस्थागत निवेशक बेहतर प्रतिफल के लिए बड़ी अर्थव्यवस्था में निवेश करना बेहतर मान रहे हैं। इससे डॉलर के मुकाबले रु पया भी कमजोर हो रहा है। यह एक से अधिक बार 80 रुपये प्रति डॉलर के स्तर को पार कर चुका है।

अमेरिका और भारत की अर्थव्यवस्था के मानक और परिवेश अलग हैं। अमेरिका में महंगाई के जोखिम भारत की तुलना में ज्यादा हैं। फेडरल रिजर्व अपने यहां की आर्थिक स्थिति का आकलन करके नीतिगत दर में बढ़ोतरी कर रहा है, लेकिन फेडरल रिजर्व द्वारा नीतिगत दर में बढ़ोतरी करने से भारत भी कुछ हद तक दबाव में आकर रेपो दर में बढ़ोतरी कर रहा है। बहरहाल, महंगाई में बढ़ोतरी और रेपो दर में लगातार वृद्धि के बावजूद रिजर्व बैंक ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के वित्त वर्ष 2023 के लिए 7.2 प्रतिशत के अनुमान को बरकरार रखा है। पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 6.2 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 4.1 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.0 प्रतिशत रह सकती है, जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने वैश्विक आर्थिक वृद्धि अनुमान को 2023 के लिए 2.9 प्रतिशत कर दिया है। इस तरह, वैश्विक आर्थिक वृद्धि की तुलना में भारत की आर्थिक वृद्धि दर बहुत अधिक है। वित्त वर्ष 2023 के लिए रिजर्व बैंक का 7.2 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान मुझे वास्तविक लगता है, क्योंकि मुद्रास्फीति पहले से नरम हुई है और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार इस साल देशभर में 90 से 104 प्रतिशत बारिश हो सकती है, जिससे फसल उत्पादन के बेहतर रहने का अनुमान है।

फरवरी में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से दुनिया भर में कच्चे तेल और जिंसों की कीमत में उछाल आने से मुद्रास्फीति में लगातार बढ़ोतरी हो रही है क्योंकि भारत अपनी जरूरत के 80 प्रतिशत से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता है। विश्व की लगभग सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं अपनी वृद्धि रफ्तार को दुरु स्त करने की कोशिश कर रही हैं, और भारत भी इस मामले में अपवाद नहीं है, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था अन्य देशों की तुलना में ज्यादा मजबूत है। फिर भी, महंगाई के दबाव में भारतीय कंपनियां भी अपने उत्पादों की कीमत बढ़ाने के लिए मजबूर हैं, जिससे महंगाई का बोझ अंतत: ग्राहकों को उठाना पड़ रहा है।

मुद्रास्फीति की वजह से लोगों की खरीदने की क्षमता घट जाती है। आज भारत समेत विश्व के अनेक देश के लोगों की क्रय शक्ति कम हो गई है। ऐसी अवस्था में लोगों की कमाई कम नहीं होती है, लेकिन मुद्रा की कीमत कम हो जाने की वजह से लोगों को किसी भी वस्तु को खरीदने के लिए ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते हैं, जिसके कारण न तो जरूरत के सामान खरीद पाते हैं, और न ही बचत कर पाते हैं। आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ने लगती हैं। उत्पादन और विकास दर, दोनों में गिरावट दर्ज की जाती है।

रोजगार सृजन ठप पड़ जाता है। महंगाई की वजह से विविध उत्पादों की मांग में कमी आ जाती है। मांग में कमी आने से कल-कारखानों को उत्पादन को कम करना पड़ता है, जिसके कारण कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ता है, और लंबी अवधि तक नकारात्मक स्थिति बनी रहने से कंपनियां बंद भी हो जाती हैं। उच्च महंगाई दर के घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय, दोनों कारण जिम्मेदार हैं, जिसमें अंतरराष्ट्रीय कारण ज्यादा महत्त्वपूर्ण हैं। भू-राजनैतिक संकट का अभी भी समाधान निकलता नहीं दिख रहा है।

इस वजह से वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ रही है। हालांकि रिजर्व बैंक चाहे मुद्रास्फीति पर नियंत्रण करने का मामला हो या फिर रु पया का डॉलर के मुकाबले कमजोर होने से रोकने का, हर मामले में वह समीचीन कदम उठा रहा है। रेपो दर में बढ़ोतरी से महंगाई कम होती है, लेकिन साथ में विकासात्मक कार्यों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसलिए माना जा रहा है कि आगामी मौद्रिक समीक्षाओं में रिजर्व बैंक नीतिगत दरों में इजाफा करने से परहेज करेगा।

गठबंधन ने फिर बदली करवट

विनोद बंधु

दो इफ्तार पार्टियों के ईद-गिर्द उभरा बिहार के दो बड़े सियासी बदलावों का प्रतिबिंब यादगार रहेगा। दोनों दावतों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने आवास से पैदल ही पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर गए और लौटे। 23 जून, 2017 को पैदल जाते और लौटते समय उनका अंदाज बेहद खास था। उनकी चाल-ढाल में उस दिन बुलंदी का संदेश था। वह दौर तत्कालीन महागठबंधन सरकार के उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी द्वारा लगाए जा रहे भ्रष्टाचार के आरोपों से गरमाया हुआ था। जद-यू तेजस्वी यादव को इन आरोपों पर जनता के समक्ष अपना पक्ष रखने की सलाह दे रहा था। इफ्तार पार्टी से लौटते समय मीडिया से बातचीत में नीतीश कुमार ने जो कुछ कहा, उससे बहुत कुछ साफ हो गया था। इसके एक महीने तीन दिन बाद ही यानी 26 जुलाई, 2017 को उन्होंने इस्तीफा दे दिया और भाजपा के साथ नई सरकार बनाई।

इसके पांच साल बाद 22 अप्रैल, 2022 को नीतीश कुमार इफ्तार पार्टी में शामिल होने फिर पैदल ही राबड़ी देवी के आवास पर गए। वहां तेजस्वी यादव ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। उसी समय से बिहार में सियासी तस्वीर बदलने के कयास लगाए जाने लगे थे। हालांकि, इस बार सत्ता के नए गठबंधन को आकार लेने में एक की जगह चार महीने लगे।

नीतीश कुमार पांच साल बाद दूसरी बार एनडीए से खुद बाहर हो गए हैं। 2013 में तल्खी बढ़ने पर उन्होंने भाजपा से नाता तोड़कर उसके कोटे के मंत्रियों को बर्खास्त कर दिया था। इसके बाद राजद और कांग्रेस के समर्थन से उनकी सरकार बनी। इसी समर्थन ने आगे चलकर बिहार में जद-यू, राजद और कांग्रेस के महागठबंधन की राह प्रशस्त की। 2015 में इन दलों के महागठबंधन ने विशाल बहुमत से बिहार में सरकार बनाई थी। दोनों बार नीतीश के एनडीए से बाहर होने की पृष्ठभूमि एक जैसी है। साल 2013 में महाराजगंज लोकसभा सीट के उपचुनाव में जद-यू को पराजय का मुंह देखना पड़ा था। जद-यू को भाजपा का पूरा साथ नहीं मिल पाया। दोनों दलों में तल्खी इतनी बढ़ गई कि नीतीश ने अलग होने का फैसला ले लिया। इस बार विधानसभा चुनावों में चिराग पासवान के नए सियासी अवतार ने दोनों दलों में भ्रम की स्थिति पैदा की। जद-यू को सीटों का नुकसान हुआ। नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनने को तैयार नहीं थे, पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्तक्षेप के बाद वह राजी हुए। सरकार का शपथ ग्रहण तो हो गया, लेकिन पहले दिन से अविश्वास की स्थिति बनी रही। जद-यू को चुनाव में चिराग से हुए नुकसान का मलाल बना रहा। चुनाव परिणाम आने के 48 घंटे बाद ही नीतीश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा से दो टूक कहा था कि वह चिराग पर कार्रवाई करे। अब जद-यू आरसीपी सिंह को भाजपा प्रायोजित दूसरे चिराग के रूप देख रहा था। आरसीपी सिंह भाजपा की पसंद पर जद-यू कोटे से केंद्र में मंत्री बने थे। भाजपा से उनकी निकटता बढ़ती जा रही थी। इस बार सरकार बनने के बाद एक भी ऐसा मौका नहीं आया, जब जद-यू और भाजपा के रिश्तों में गर्मजोशी दिखी हो, बल्कि बीते छह माह में अपेक्षाकृत तल्खी अधिक दिखी। वार-पलटवार के दौर भी चले। इन सब कारणों से दोनों दलों के बीच संवादहीनता बढ़ती गई। नीतीश ने भाजपा के बिहार प्रभारी भूपेंद्र यादव से मिलना बंद कर दिया। इसके बाद धर्मेंद्र प्रधान को उनसे बातचीत के लिए भेजा गया। नीतीश ने धर्मेंद्र से साफ-साफ कहा था कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधानसभा अध्यक्ष उनका अपमान कर रहे हैं। उनके पास विकल्प है। मुख्यमंत्री बने रहने की भी कोई लालसा नहीं है। भाजपा अपना देख ले। इसके बाद धर्मेंद्र प्रधान ने न केवल प्रदेश भाजपा नेताओं को बयानबाजी पर लगाम लगाने की हिदायत दी, बल्कि मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार एनडीए के नेता हैं और 2024 और 2025 के चुनाव राज्य में उन्हीं के नेतृत्व में लड़े जाएंगे, पर अविश्वास की खाई गहरी हो चुकी थी।

केंद्र सरकार के आमंत्रण पर नीतीश 17 जुलाई से 7 अगस्त तक दिल्ली में आयोजित चार कार्यक्रमों में शामिल नहीं हुए। मंगलवार को उन्होंने अपने सांसदों, विधायकों से कहा कि भाजपा 2013 से ही धोखा दे रही थी। मुझे अपमानित किया जा रहा था।

वैसे नीतीश के भाजपा से अलग होने के फैसले की वजह रिश्तों में खटास तक सीमित मानना वाजिब नहीं होगा, बल्कि इसके गर्भ में देश की आगामी सियासत की पृष्ठभूमि भी पल रही है। राजद, कांग्रेस और वाम दलों ने नीतीश के समर्थन में जो गर्मजोशी दिखाई है, उसके निहितार्थ गहरे हैं। कांग्रेस और वाम दलों ने तो दो कदम आगे बढ़कर एक दिन पहले ही बिना शर्त समर्थन का एलान कर दिया। बिहार में जद-यू की धरातल कुर्मी, कोइरी, महादलित और अति-पिछड़ी जातियों का समीकरण है, तो राजद का एमवाई यानी मुस्लिम, यादव। कांग्रेस और वाम दलों का सीमित ही सही अपना-अपना जनाधार है। यह गठबंधन बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड में भाजपा के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर सकता है। झारखंड में कुर्मी जाति की आबादी 15 और कोइरी छह प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश में कुर्मी छह फीसदी हैं। बिहार, यूपी और झारखंड में यादव, मुस्लिम, महादलित, कोइरी-कुर्मी और अति-पिछड़ी जातियों को गोलबंद करने की कोशिश हो सकती है। बिहार में नए समीकरण के आकार लेने की चर्चा के साथ ही यह कयास भी लगने लगे हैं कि नीतीश कुमार राष्ट्रीय राजनीति में विपक्षी राजनीति के एक बड़े किरदार बनकर सामने आएंगे। 30 जुलाई को पटना में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बयान दिया था कि देश में अन्य राष्ट्रीय पार्टियों का वजूद खत्म हो चुका है, क्षेत्रीय पार्टियां भी समाप्त हो जाएंगी, सिर्फ बचेगी भाजपा। इस बयान को आधार बनाकर विपक्षी दल एकजुट होने की पहल कर सकते हैं। नीतीश कुमार की सबसे बड़ी ताकत उनकी स्वीकार्यता और बेदाग छवि है। परस्पर विरोधी दलों के नेताओं से उनके रिश्ते आमतौर पर अच्छे रहे हैं।

नीतीश और तेजस्वी की जोड़ी ने बिहार के सियासी शतरंज में भाजपा को मात दे दी है, लेकिन भाजपा इस झटके को आसानी से पचा लेगी, यह सोचना भी नादानी होगी। देखना दिलचस्प होगा कि शह-मात के इस सियासी खेल में भविष्य की तस्वीर कैसी होगी?

भूस्खलन व बाढ़ का बेहतर नियंत्रण जरूरी

भारत डोगरा

जलवायु बदलाव के इस दौर में आपदा नियंत्रण पर समुचित ध्यान देना जरूरी हो गया है।

इस समय राष्ट्रीय स्तर पर बाढ़ और भूस्खलन की आपदाएं विशेष चर्चा में हैं, हालांकि देश के कुछ क्षेत्र अभी मानसूनी वर्षा की कमी से भी प्रभावित हैं। पर्वतीय क्षेत्र विशेषकर हिमालय क्षेत्र में भूस्खलन की समस्या विकट होती जा रही है। ऐसे संकेत विश्व स्तर पर भी मिल रहे हैं। विज्ञान पत्रिका ज्योलोजी ने हाल में उपलब्ध जानकारी के आधार पर दावा किया है कि विश्व में भू-स्खलन के कारण होने वाली मौतों की संख्या वास्तव में पहले के अनुमानों की उपेक्षा दस गुणा अधिक है। यह डरहम फेटल लैंडस्लाइड डेटाबेस के आधार पर कहा गया है। जानकारियों के इस कोष को ब्रिटेन के डरहम विवविद्यालय के अनुसंधानकत्त्राओं ने तैयार किया है। इस अनुसंधान का भारतीय संदर्भ में महत्त्व स्पष्ट है क्योंकि हाल के वर्षों में भूस्खलनों से होने वाली भीषण क्षति के समाचार बढ़ते जा रहे हैं।

ध्यान देना जरूरी है कि पर्वतीय क्षेत्र में किन मानवीय कारणों व गलतियों से भू-स्खलन के कारण होने वाली क्षति बढ़ी है। एक वजह यह है कि निर्माण कार्यों विशेषकर बांध निर्माण तथा खनन के लिए पर्वतीय क्षेत्रों में विस्फोटकों का अंधाधुंध उपयोग किया गया है। वन-विनाश भी भू-स्खलन का अन्य कारण है। भू-स्खलन अचानक बाढ़ का कारण भी बनते हैं। हिमालय में किसी नदी का बहाव भू-स्खलन के मलबे के कारण रुक जाता है तो इससे कृत्रिम अस्थायी झील बनने लगती है। पानी का वेग अधिक होने से जब झील फूटती है तो पल्रयकारी बाढ़ आ सकती है, जैसा कनोडिया गाड में झील बनने के कारण उत्तरकाशी में बाढ़ आई थी। हाल में नेपाल में ऐसी झील टूटने पर बिहार में बाढ़ आई है।

बाढ़ व बाढ़-नियंत्रण के बारे में नये सिरे से सोचने की जरूरत महसूस की जा रही है। वास्तविकता तो यह है कि बाढ़ का बढ़ता क्षेत्र और इसकी बढ़ती जानलेवा क्षमता को तभी समझा जा सकता है जब बाढ़ नियंत्रण के दो मुख्य उपायों-तटबंधों और बंधों पर खुली बहस के जरिए जानने का प्रयास किया जाए कि अनेक स्थानों पर क्या बाढ़ नियंत्रण के इन उपायों ने ही बाढ़ की समस्या को नहीं बढ़ाया है, और उसे अधिक जानलेवा बनाया है?

तटबंधों की बाढ़ नियंत्रण उपाय के रूप में एक तो अपनी सीमाएं हैं तथा दूसरे निर्माण कार्य और रख-रखाव में लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण हमने इनसे जुड़ी समस्याओं को भी बढ़ा दिया है। तटबंध द्वारा नदियों को बांधने की एक सीमा तो यह है कि जहां कुछ बस्तियों को बाढ़ से सुरक्षा मिलती है, वहां कुछ अन्य बस्तियों के लिए बाढ़ का संकट बढ़ने की संभावना भी पैदा होती है। अधिक गाद लाने वाली नदियों को तटबंध से बांधने में एक समस्या यह भी है कि नदियों के उठते स्तर के साथ तटबंध को भी निरंतर ऊंचा करना पड़ता है। जो आबादियां तटबंध और नदी के बीच फंस कर रह जाती हैं, उनकी दुर्गति के बारे में तो जितना कहा जाए कम है। तटबंधों द्वारा जिन बस्तियों को सुरक्षा देने का वादा किया जाता है, उनमें भी बाढ़ की समस्या बढ़ सकती है। वर्षा के पानी के नदी में मिलने का मार्ग अवरुद्ध कर दिया जाए और तटबंध में इस पानी के नदी तक पहुंचने की पर्याप्त व्यवस्था न हो तो दलदलीकरण और बाढ़ की नई समस्या उत्पन्न हो सकती है। यदि नियंत्रित निकासी के लिए जो कार्य करना था उसकी जगह छोड़ दी गई है पर लापरवाही से कार्य पूरा नहीं हुआ है, तो भी यहां से बाढ़ का पानी बहुत वेग से आ सकता है। तटबंध द्वारा सुरक्षित की गई आबादियों के लिए कठिन स्थिति तब उत्पन्न होती है जब निर्माण कार्य या रख-रखाव उचित न होने के कारण तटबंध टूट जाते हैं। अचानक पानी उनकी बस्तियों में घुस जाता है।

बांध या डैम निर्माण बांध प्राय: सिंचाई और पनबिजली उत्पादन के लिए बनाए जाते हैं। यह भी कहा जाता है कि उनसे बाढ़ नियंत्रण का महत्त्वपूर्ण लाभ प्राप्त होगा। यह लाभ तभी प्राप्त हो सकता है जब अधिक वष्रा के समय बांध के जलाशय में पर्याप्त जल रोका जा सके और बाद में उसे नियंत्रित ढंग से छोड़ा जा सके। पहाड़ों में जो वन विनाश और भू-कटाव हुआ है उससे जलाशयों में मिट्टी-गाद भर गई है और जल रोकने की क्षमता कम हो गई है। इसी कारण तेज वष्रा के दिनों में पानी भी अधिक होता है क्योंकि वष्रा के बहते जल का वेग कम करने वाले पेड़ कट चुके हैं। बांध के संचालन में सिंचाई और पनबिजली के लिए जलाशय को अधिक भरने का दबाव होता है। दूसरी ओर वर्षा के दिनों में बाढ़ से बचाव के लिए जरूरी होता है कि जलाशय को कुछ खाली रखा जाए। दूसरे शब्दों में बांध के जलाशय का उपयोग बाढ़ बचाव के लिए करना है तो पनबिजली के उपयोग को कुछ कम करना होगा। ऐसा नहीं होता है तो जलाशय में बाढ़ के पानी को रोकने की क्षमता नहीं रहती। ऐसे में पानी वेग से एक साथ छोड़ना पड़ता है जो भयंकर विनाश उत्पन्न कर सकता है। कोई बड़ा बांध टूट जाए तब तो खैर, पल्रय ही आ जाती है जैसा मच्छू बांध टूटने पर मोरवी शहर के तहस-नहस होने के समय देखा गया। पर बांध बचाने के लिए जब बहुत सा पानी एक साथ छोड़ा जाता है, उससे जो बाढ़ उत्पन्न होती है, वह भी सामान्य बाढ़ की अपेक्षा कहीं अधिक विनाशक और जानलेवा होती है। अब आगे के लिए जो भी नियोजन हो, उसके लिए बाढ़ के इस बदलते रूप को ध्यान में रखना जरूरी है। तभी हमें बाढ़ नियंत्रण में अधिक सफलता मिलेगी।

बहन भाई के पवित्र प्रेम का महान पर्व है रक्षाबंधन!

महान पर्व रक्षाबंधन बहन भाई के पवित्र प्रेम का प्रतीक है।भाई बहन का एक दूसरे के प्रति हित चिंतक होना और जब भी आवश्यकता हो ,मदद व रक्षा के लिए तत्पर रहना ही इस पवित्र रिश्ते में मिठास पैदा करता है।

रक्षा बंधन का त्योहार सावन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है. पंचांग के अनुसार, इस साल पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 11 अगस्त को सुबह 10 बजकर 38 मिनट से होगी।जबकि पूर्णिमा तिथि का समापन 12 अगस्त को सुबह 7 बजकर 05 मिनट पर होगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस बार रक्षाबंधन के दिन एक बेहद शुभ संयोग का निर्माण हो रहा है। इस दुर्लभ शुभ संयोग के कारण रक्षाबंधन का त्योहार और भी अधिक खास माना जा सकता है। इस बार रक्षा बंधन का त्योहार अमृत योग में मनाया जाएगा।ज्योतिष शास्त्र के जानकारों के का कहना है कि रक्षा बंधन पर ऐसा दुर्लभ संयोग 24 साल बाद बन रहा है। अमृत योग में किए गए शुभ कार्य सफलतापूर्वक संपन्न होते हैं।ऐसा माना जाता है।

भाई-बहन दोनो को संकल्प करना चाहिए कि परमात्मा इतनी शक्ति दे कि परमात्म अनुभूति के साथ पवित्रता का संकल्प करते हुए हम देवता समान बन जाए ।यही रक्षाबंधन की मूल अवधारणा है। चूंकि हम सभी परमात्मा की संतान हैं और परमात्मा हमारा पिता है। इसी कारण उसकी संतान होने के नाते हम आपस में भाई-भाई या फिर भाई बहन एक दूसरे को मानें और समझें तथा आवश्यकता पड़ने पर एक दूसरे की रक्षा करें। इसी संकल्प को बंधन रुप में मानते हुए यह पर्व मनाया जाता है। भाई-बहन का रिश्ता चूंकि सबसे पवित्र और पावन है, चाहे बहन हो या भाई दोनों ही एक दूसरे के प्रति शुभ भावना रखते हैं और एक दूसरे की प्रगति चाहते हैं, वह भी बिना किसी स्वार्थ के। हालांकि रक्षाबंधन पर जब बहन ,भाई को राखी बांधती है तो भाई बदले में उसे उपहार देता है। ऐसा इसलिए है ताकि भाई बहन के बीच प्रेम और सदभाव उत्तरोत्तर बढ़ता रहे और कम से कम एक दिन ऐसा हो जब भाई बहन एक दूसरे से मिलकर खुशी मना सकें। आज भी गांव देहात में पंडित द्वारा अपने यजमानों को रक्षासूत्र यानि राखी बांधने का प्रचलन है। इसके पीछे भी यही अवधरणा है कि पंडित को विद्वान और पवित्र माना जाता है और वह रक्षासूत्र बांधने के पीछे अपने यजमान को बुद्धिमान और पवित्र रहने का संदेश देता है। रक्षाबंधन के पर्व पर जब बहन भाई की कलाई पर राखी बांधती है तो उन्हें विकारों को त्यागने का संकल्प लेना चाहिए। जिसकी शुरूआत प्रति रक्षाबंधन एक विकार को त्यागने के संकल्प के साथ हो सकती है। क्योंकि मनुष्य में व्याप्त विकार एक नहीं अनेक होते हैं। जिनमें काम क्रोध, मोह, लोभ और अहंकार जहां प्रमुख हैं ।वहीं ईर्ष्या, द्वेष, घृणा जैसे विकार भी मनुष्य की प्रगति में बाधक हैं। सच पूछिए तो रक्षाबंधन है ही पवित्रता का पावन पर्व। जिसमें भाई बहन के पवित्र रिश्ते की रक्षा के लिए रक्षासूत्र बांधने की वर्षो से परम्परा है। इस पर्व के माध्यम से जहां हम अपनी बहनों की सुख समृद्धि और प्रगति की कामना करते हैं वहीं बहन भी अपने भाई की दीर्घायु की कामना के साथ-साथ उसकी उन्नति की प्रार्थना करती हैं। रक्षा बन्धन शब्द से ही इस पर्व के अर्थ का पता चल जाता है। भावनात्मक रिश्तो को बनाये रखने और एक दूसरे की रक्षा को कृतसंकल्पित होने के अवसर का नाम है रक्षा बन्धन।

भले ही आज यह पर्व भाई बहन की रक्षा के संकल्प के निमित मनाया जाता हो और बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उनसे संकट के समय रक्षा करने का वरदान लेती हो परन्तु यह वास्तव में हर रिश्ते को पवित्रता की डोर में बांधकर रक्षा के संकल्प का पर्व है। भाई बहन ही नही, पति पत्नी भी इस रक्षा सूत्र से बंधे है ऐसा शास्त्रों में उल्लेख मिलता है।

स्वर्गलोक के राजा इन्द्र की पत्नी शचि ने वैदिक मन्त्रों से अभिमन्त्रित रक्षा सूत्र अपने पति की भुजा पर बांधकर उनकी शत्रुओं से रक्षा की थी। तभी से प्रतिवर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा को रक्षाबन्धन का पर्व मनाया जाने लगा है। हालाकि अब यह पर्व भाई बहन का त्यौहार बन गया है और बहन ही अपने भाई की दीर्घायु की कामना व रक्षा की अपेक्षा के साथ

भाई की कलाई पर राखी बांधती है और भाई अपनी बहन को शगुन देकर उसकी खुशहाली की कामना करता है। भविष्य पुराण के अनुसार रक्षाबन्धन की वास्तविक शुरूआत इन्द्र की पत्नी शचि द्वारा अपने पति को राखी बांधने से हुई थी।

रानी कर्णावती ने मुगल शासक हुमांयु को सकंट के समय राखी भेजकर उनसे अपनी रक्षा की याचना की थी। हुमायूं ने भी प्रेम और स्नेह की प्रतीक राखी के बधंन को निभाते हुए करणावती की रक्षा अपने प्राणों की बाजी लगाकर की थी। इसी तरह रूपनगर की राजकुमारी की राखी की लाज रखने के लिए महाराजा राजसिंह ने मुगल शासक औरंगजेब से लौहा लिया था। इसी दिन अनिष्ट शमन के लिए भगवान श्री कृष्ण का रक्षा बन्धन किया गया था।यानि रक्षा बन्धन का पर्व भावनात्मक रिश्तों को मजबूत करने,भाई बहन में प्यार और विश्वास बढाने तथा एक दूसरे की रक्षा को वचनबद्ध रहने का पर्व है। वही इस पर्व को बुराई छोडने के सकंल्प दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

प्रजापिता ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय इस पर्व को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाता है। ब्रहमाकुमारी बहनें समाज के शीर्ष पदों पर विराजित महानुभावों से लेकर आमजन तक राखी पर्व का संदेश उन्हें राखी बांधकर देती हैं। वें राखी बांधने के बदले कोई उपहार या नगदी कभी ग्रहण नहीं करती हैं अपितु चाहती हैं कि जिस भाई को उन्होंने राखी बांधी है ,वह कम से कम अपने भीतर व्याप्त एक अवगुण का त्याग हमेंशा के लिए करें। तभी यह पर्व सार्थक माना जाता है। इस संस्था में रक्षाबंधन पर्व मनाने की शुरूआत 15 दिन पहले से ही हो जाती है और बाद तक चलती रहती है। ताकि समाज अवगुणों से मुक्त हो और एक स्वर्णिम सद्गुणी समाज की स्थापना हो सके। रक्षाबंधन यानी भाई बहन का त्यौहार। कहा जाता है कि भाई और बहन के रिश्ते से पवित्र दुनिया में कोई भी रिश्ता नहीं होता। इस दिन बहनें अपने भाईयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई जीवनभर उसकी रक्षा का प्रण लेता है। हालांकि सभी दिन परमपिता परमात्मा के बनाये हुए हैं जब परमात्मा की कृपा होती है तो सभी कार्य स्वतः ही सिद्ध होने लगते हैं। लेकिन फिर भी सनातन धर्म के अनुसार कुछ दिनों का महत्व अलग होता है, जिसे हम त्यौहार कहते हैं। जबकि परमात्मा की दृष्टि में सभी दिन एक जैसे ही होते हैं। उनमें विशेष कुछ है तो वह है शुभ और अशुभ लग्न। जिसे हम साधारण भाषा में शुभ व अशुभ समय भी कहते हैं। जिसके बारे में जानकारी प्राप्त कर सभी बहनें अपने भाईयों की कलाई पर शुभ समय में ही रक्षासूत्र को बांधने का प्रयास करे। यदि शुभ लग्न अनुसार रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाए तो अधिक फलदायी हो जाता है। हालांकि यह ऐसा पर्व है जिसे कभी भी और किसी भी समय व किसी भी दिन मनाया जा सकता है इसी पर्व पर यथार्थ दर्शाती कविता की एक बानगी देखिए,

रक्षा बन्धन के लिए
बहन का होना जरूरी है
जिसके लिए कन्या भ्रूण
हत्या रोकना जरूरी है
वर्ना एक दिन
भाई ही भाई नज़र आएगें
बहनों को आप
किताबों में ही पढ पाएगें।

लव कुश जयंती : जानिए लव और कुश से जुड़े हर अनजाने राज

श्रावण मास की पूर्णिमा यानी रक्षा बंधन के दिन लव और कुश की जयंती भी मनाई जाती है। प्रभु श्रीराम के लव और कुश जुड़वा पुत्र थे। लव और कुश के वंश के लोग आज भी हैं, जो लव और कुश की जयंती मनाते हैं। आओ जानते हैं इनके बारे में अनजाने तत्?थ।

वाल्मीकि रामायण: वाल्मीकि रामायण में प्रभु श्रीराम के पुत्र लव और कुश की गाथा कर वर्णन किया गया है।

लव और कुश का जन्म: लव और कुश का जन्म वाल्मीकि आश्रम में हुआ था। माता सीता अयोध्या के महल को छोड़कर आश्रम में रहती थीं। वाल्मीकि आश्रम में सीता ने लव और कुश नामक 2 जुड़वां बच्चों को जन्म दिया।

शिक्षा दीक्षा: लव और कुश की पढ़ाई-लिखाई से लेकर विभिन्न कलाओं में निपुण होने के पीछे महर्षि वाल्मीकि का ही हाथ था। उन्होंने ही दोनों राजकुमारों को हर तरह की शिक्षा और विद्या में परंगत किया।

वाल्मीकि ने पढ़ाई रामायण: महर्षि वाल्मीकि ने लव और कुश को रामायण भी पढ़ाई थी। कहते हैं कि लव और कुश को बहुत समय तक यह ज्ञात नहीं था कि उनके पिता प्रभु श्रीराम हैं।

अश्वमेध का घोड़ा: कहते हैं कि एक बार श्रीराम ने अश्वमेध यज्ञ किया और यज्ञ का श्वेत अश्व (घोड़ा) छोड़ दिया। घोड़ा जहां-जहां जाता था वहां के राजा अयोध्या की अधीनता स्वीकार कर लेते या युद्ध करके पराजित हो जाते थे। यह घोड़ा भटकते हुए जंगल में आ गया। वहां लव और कुश ने इसे पकड़ लिया। घोड़ा पकड़ने का अर्थ है अयोध्या के राजा को चुनौती देना।

5. श्रीराम से लड़ाई : राम को जब यह पता चला कि किन्हीं सुकुमारों ने घोड़ा पकड़ लिया तो पहले उसका आशय जानने के लिए दूत भेजे। जब यह पता चला कि लव और कुश घोड़ा छोड़ने को तैयार नहीं है और वे चुनौती दे रहे हैं तो श्रीराम के भाइयों भरत, शत्रुघ्न और लक्ष्मण के साथ लव-कुश का युद्ध हुआ लेकिन सभी भाई पराजित होकर लौट आए। यह देखकर श्रीराम को खुद ही युद्ध करने आना पड़ा लेकिन युद्ध का कोई परिणाम नहीं निकला। तब राम ने दोनों बालकों की योग्यता देखते हुए उन्हें यज्ञ में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

सीता की व्यथा का किया बखान: लड़ाई के बाद लव और कुश को यह पता चला कि श्रीराम तो उनके पिता हैं। फिर श्रीराम के निमंत्रण पर नगर में पहुंचकर लव और कुश ने श्रीराम की गाथा का गुणगाण किया और दरबार में उन्होंने माता सीता की व्यथा कथा गाकर सुनाई। यह सुन और देखकर प्रभु श्रीराम को ये पता चला गया कि लव और कुश उनके ही बेटे हैं। उन्हें तब बहुत दु:ख हुआ और वे सीता को पुन: राज महल ले आए।

लव और कुश का राज्याभिषेक : भरत के दो पुत्र थे- तार्क्ष और पुष्कर। लक्ष्मण के पुत्र- चित्रांगद और चन्द्रकेतु और शत्रुघ्न के पुत्र सुबाहु और शूरसेन थे। मथुरा का नाम पहले शूरसेन था। लव और कुश राम तथा सीता के जुड़वां बेटे थे। जब राम ने वानप्रस्थ लेने का निश्चय कर भरत का राज्याभिषेक करना चाहा तो भरत नहीं माने। अत- दक्षिण कोसल प्रदेश (छत्तीसगढ़) में कुश और उत्तर कोसल में लव का राज्य अभिषेक किया गया।

लव और कुश के राज्य: श्रीराम के काल में भी कोशल राज्य उत्तर कोशल और दक्षिण कोसल में विभाजित था। कालिदास के रघुवंश अनुसार राम ने अपने पुत्र लव को शरावती का और कुश को कुशावती का राज्य दिया था। शरावती को श्रावस्ती मानें तो निश्चय ही लव का राज्य उत्तर भारत में था और कुश का राज्य दक्षिण कोसल में। कुश की राजधानी कुशावती आज के बिलासपुर जिले में थी। कोसला को राम की माता कौशल्या की जन्मभूमि माना जाता है। रघुवंश के अनुसार कुश को अयोध्या जाने के लिए विंध्याचल को पार करना पड़ता था इससे भी सिद्ध होता है कि उनका राज्य दक्षिण कोसल में ही था।

लव और कुश के वंशज: राजा लव से राघव राजपूतों का जन्म हुआ जिनमें बर्गुजर, जयास और सिकरवारों का वंश चला। इसकी दूसरी शाखा थी सिसोदिया राजपूत वंश की जिनमें बैछला (बैसला) और गैहलोत (गुहिल) वंश के राजा हुए। कुश से कुशवाह (कछवाह) राजपूतों का वंश चला।

लव का लहौर : ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार लव ने लवपुरी नगर की स्थापना की थी, जो वर्तमान में पाकिस्तान स्थित शहर लाहौर है। यहां के एक किले में लव का एक मंदिर भी बना हुआ है। लवपुरी को बाद में लौहपुरी कहा जाने लगा। दक्षिण-पूर्व एशियाई देश लाओस, थाई नगर लोबपुरी, दोनों ही उनके नाम पर रखे गए स्थान हैं।

भाई की राशि के अनुसार बांधें राखी

रक्षा बंधन का त्योहार भाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक होता है। इस दिन हर बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उससे अपनी रक्षा का वचन लेती है। ऐसे में अगर हर बहन अपने भाई की राशि के अनुसार राखी बांधेगी तो जीवन में उसे हर काम में तरक्की मिलेगी और सफलता मिलेगा। तो आइए जानते हैं राशि के अनुसार किस रंग की राखी बांधनी चाहिए।

मेष : इस राशि के जातकों के लिए शुभ रंग लाल और पीला होता है। बहनों को लाल या पीले रंग का धागा भाई की कलाई में बांधनी चाहिए। इससे उनके जीवन में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

वृष : इनका लकी कलर सफेद और नीला होता है। भाइयों को इन रंगों की ही राखियां बांधें। ऐसा करने से उनके सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी।

मिथुन : इन लोगों के लिए हरा और सफेद रंग भाग्यशाली होता है। इनके लिए हरे रंग की राखी अच्छी रहेगी। यह उनके लिए सफलता लाएगा।

कर्क : इन जातकों का लकी कलर पीला, हरा और सफेद होता है। रक्षाबंधन के दिन बहनों को अपने भाइयों को इस रंग के धागे या राखी बांधनी चाहिए। इससे जीवन में सुख प्राप्त होगा।

सिंह : इनका शुभ रंग गुलाबी, हरा और पीला है। ये रंग इन राशि वालों के उग्र स्वभाव को नियंत्रित करते हैं। ऐसे में बहनों को इन रंगों की राखियां बांधनी चाहिए।

कन्या : ऐसे जातकों के लिए हरा, पीला और सफेद रंग सर्वोत्म रहता है। रक्षाबंधन पर इन रंगों का धागा बांधना अच्छा रहेगा। हरे रंग की राखी ग्रह दोष को दूर करेगा।

तुला : सफेद, हरा और नीला रंग इस राशि के लोगों के लिए सही होता है। इस राशि के लोगों के लिए सफेद और नीले रंग की राखी बहुत अच्छी रहेगी।

वृश्चिक: लाल, पीला, नीला, गहरा लाल या मैरून रंग वृश्चिक राशि के जातकों के लिए प्रभावशाली होता है। बहनें इन रंगों की राखियां अपने भाइयों को बांधे तो उत्तम होगा।

धनु : इन लोगों के लिए हरा, लाल और पीला रंग लकी कलर होता है। इस बार रक्षाबंधन पर इस रंग का धागा या राखी बांधें।

मकर : इन लोगों को सफेद, लाल और हल्का नीला या आसमानी रंग के राखी बांधा जाए तो उनके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होगा।

कुंभ: इन लोगों के लिए सफेद, लाल और नीला रंग शुभता का प्रतीक होता है। ऐसे जातकों को इन रंगों के धागे बांधें।

मीन : पीला, सफेद और हरा मीन राशि के लोगों के व्यक्तित्व में निखार लाता है, उनके लिए शुभ होता है। बहनें उनको इन रंगों का धागा बांध सकती हैं!

गूगल के डेटा सेंटर में हुआ बड़ा धमाका, इमारत में लगी आग, झुलसे तीन कर्मचारी

वाशिंगटन। सर्च इंजन गूगल के अमेरिका स्थित काउंसिल ब्लफ्स डेटा सेंटर में बड़ा धमाका हुआ है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, ये धमाका शॉर्ट सर्किट की वजह से हुआ है। इस हादसे में गूगल के तीन कर्मचारी की गंभीर रूप से घायल हो गए है। घायलों का इलाज अस्पताल में कराया जा रहा है। काउंसिल ब्लफ्स पुलिस विभाग ने बताया कि घटना सोमवार को सुबह 11:59 पर हुई। धमाके वाली इमारत में तीन कर्मचारी काम कर रहे थे, तभी अचानक इलेक्ट्रिक विस्फोट हो गया जिससे तीनों कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के लिए बता दें कि इस तरह के डेटा सेंटर में गूगल अपना डेटा बड़ी ड्राइव्स और कंप्यूटर में स्टोर करके रखता है। इसमें कूलिंग से लेकर नेटवर्क सुविधाएं और कई तरह के सॉफ्टवेयर का एक बड़ा सा सीक्रेट कैंपस गूगल डेटा सेंटर की तरह दिखाई देता है। ऐसे डेटा सेंटर दुनियाभर में कई जगहों पर गूगल ने बनाए हुए हैं। एशिया की बात की जाए तो भारत के मुंबई में गूगल का एक डेटा सेंटर बना हुआ है।

ताइपे में ज्यादा चाइनीज रेस्तरां इसलिए ताइवान हमारा, चीनी प्रवक्ता के ट्वीट का उड़ा मजाक

बीजिंग । ताइवान पर चीन अपना हक जताने के लिए नए-नए प्रोपोगंडा करता रहता है। अब चीन के विदेश मंत्रालय की एक वरिष्ठ प्रवक्ता के अजीबोगरीब ट्वीट के बाद उनका ऑनलाइन मजाक उड़ना शुरू हो गया। चीनी प्रवक्ता ने ताइवान पर बीजिंग के दावे को जायज ठहराने के लिए रेस्तरां लिस्टिंग का इस्तेमाल किया। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने रविवार देर रात सोशल मीडिया साइट पर पोस्ट किया कि 'बायदू मैप्स से पता चलता है कि ताइपे में 38 शेडोंग डंपलिंग रेस्तरां और 67 शांक्सी नूडल रेस्तरां हैं।' उन्होंने कहा कि 'जीभ धोखा नहीं देती। ताइवान हमेशा से चीन का हिस्सा रहा है। लंबे समय से खोया हुआ बच्चा आखिरकार घर लौट आएगा।' एक खबर के मुताबिक रविवार को हुआ चुनयिंग का ये ट्वीट उल्टा पड़ गया, क्योंकि ट्विटर पर हजारों यूजर्स उनके तर्क का जमकर मजाक उड़ाया। चीन में ट्विटर प्रतिबंधित है और केवल विशेष वीपीएन सॉफ्टवेयर के माध्यम से सुलभ है। एक ट्विटर यूजर ने हुआ के जवाब में लिखा, 'ताइपे में 100 से अधिक रेमन रेस्तरां हैं, इसलिए ताइवान निश्चित रूप से जापान का हिस्सा है।' हुआ के ट्वीट की पैरोडी में एक यूजर ने लिखा कि 'गूगल मैप्स दिखाता है कि बीजिंग में 17 मैकडॉनल्ड्स, 18 केएफसी, 19 बर्गर किंग्स और 19 स्टारबक्स हैं। जीभ धोखा नहीं देती। चीन हमेशा अमेरिका का हिस्सा रहा है। लंबे समय से खोया हुआ बच्चा आखिरकार घर लौट आएगा।' टेरी एडम्स नाम से ट्वीट करने वाले एक व्यक्ति ने लिखा कि 'ग्रेटर लॉस एंजिल्स क्षेत्र में 89 नूडल रेस्तरां और 29 डंपलिंग हाउस हैं। हुआ के तर्क से तो लॉस एंजिल्स हमेशा चीन का हिस्सा रहा है।' अमेरिकी हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा पर के बाद चीन के बड़े सैन्य अभ्यास के बाद हुआ चुनयिंग का ये ट्वीट आया है। बीजिंग ताइवान को चीन का हिस्सा होने का दावा लगातार करता रहा है। लेकिन इस तरह का तर्क किसी ने पहली बार पेश किया है। पेलोसी के दौरे के बाद चीनी सरकार ने अमेरिका के साथ वार्ता और सहयोग समझौतों की एक श्रृंखला को रद्द करके ताइवान के आसपास लड़ाकू जेट, युद्धपोत और बैलिस्टिक मिसाइलों को तैनात करके पेलोसी की यात्रा का जवाब दिया है।

क्रीमिया में 'रूसी एयर बेस' पर हुआ भीषण विस्फोट, एक की मौत, रनवे पर लगी आग

कीव। क्रीमिया में रूसी वायु सेना के एक अड्डे पर मंगलवार को हुए कई शक्तिशाली विस्फोटों में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने हालांकि काला सागर में साकी अड्डे पर गोलाबारी की बात से इनकार कर दिया और कहा कि वहां पर युद्ध संबंधी सामग्री को नष्ट किया गया है। वहीं, यूक्रेन में 'सोशल नेटवर्क' पर ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि यूक्रेन द्वारा दागी गई लंबी दूरी की मिसाइल के कारण विस्फोट हुए। 'सोशल नेटवर्क' पर साझा किए गए वीडियो में विस्फोटों से बना धुएं का विशाल गुबार नजर आ रहा है।' क्रीमिया टूडे न्यूज' ने टेलीग्राम पर बताया कि चश्मदीदों के अनुसार रनवे पर आग लग गई और दर्जनों धमाकों की वजह से आस-पास के मकानों को भी नुकसान पहुंचा है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' ने मंत्रालय के अज्ञात सूत्रों के हवाले से बताया कि प्रारंभिक जांच में ''सुरक्षा उपायों के उल्लंघन'' के कारण विस्फोट होने की बात सामने आई है। मंत्रालय के अनुसार कोई लड़ाकू विमान क्षतिग्रस्त नहीं हुआ है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने फेसबुक पर व्यंग्यात्मक रूप से कहा, ''यूक्रेन का रक्षा मंत्रालय आग के कारण का पता नहीं लगा पा रहा है, लेकिन यह एक बार फिर अग्नि सुरक्षा के नियमों और अनिर्दिष्ट स्थानों में धूम्रपान निषेध होने के नियमों की ओर ध्यान खींचता है।'' यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सलाहकार ओलेक्सी एरेस्तोविच ने एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में रहस्यमय ढंग से कहा कि विस्फोट या तो यूक्रेन के लंबी दूरी के हथियार के कारण हुए या यह क्रीमिया में सक्रिय कट्टरपंथियों का काम है। गौरतलब है कि इस साल फरवरी में रूस ने यूक्रेन में अपनी सैन्य कार्रवाई शुरू की थी और अगर वास्तव में यूक्रेन द्वारा यह हमला किया गया है, तो यह उसका क्रीमिया प्रायद्वीप में किसी रूसी सैन्य ठिकाने पर पहला बड़ा हमला होगा।

जापान में गहराया जनसंख्या का संकट, 1950 के बाद आबादी में सबसे बड़ी गिरावट

टोक्यो । जापान की जनसंख्या 1 जनवरी, 2022 तक कुल 125.93 मिलियन थी, जो 1950 में दर्ज आंकड़ों के बाद से सबसे बड़ी गिरावट है। यह नवीनतम सरकारी डेटा सामने आया। आंतरिक मामलों और संचार के मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों का हवाला देकर कहा कि मृत्यु जन्म से अधिक हो गई और कोरोना सीमा नियंत्रण विदेशियों के प्रवेश को प्रतिबंधित कर देता है, जापान की कुल आबादी गिरकर 125,927,902 हो गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 726,342 या 0.57 प्रतिशत कम है।

मंत्रालय के अनुसार, जापानी नागरिकों की संख्या 2021 में 619,140 से घटकर 123,223,561 हो गई, जिसमें जन्म का रिकॉर्ड लगभग 810,000 था, जो रिकॉर्ड उच्च स्तर पर लगभग 1.44 मिलियन मौतों से आगे था। महामारी के बीच कड़े सीमा प्रतिबंधों के कारण, जापान में निवासी विदेशियों की संख्या 107,202 से गिरकर 2,704,341 हो गई, जो लगातार दूसरे वर्ष गिरावट को दर्शाता है। मंत्रालय के आंकड़ों से यह भी पता चला है कि 15 से 64 वर्ष की आयु के लोगों का अनुपात, जिन्हें कामकाजी आबादी माना जाता है, कुल आबादी का रिकॉर्ड 58.99 प्रतिशत था, जबकि 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों का प्रतिशत 29 प्रतिशत है जो कि एक रिकॉर्ड है।

एस्टोनिया, फिनलैंड नहीं चाहते कि रूसी पर्यटक यूरोप की यात्रा पर आएं

कोपेनहेगन। एस्टोनिया और फिनलैंड के नेता चाहते हैं कि सभी यूरोपीय देश रूसी नागरिकों को पर्यटक वीजा जारी करना बंद कर दें। उनका कहना है कि यूक्रेन में रूस की सरकार द्वारा युद्ध किये जाने की स्थिति में वहां के नागरिकों को यूरोप में छुट्टी बिताने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। एस्टोनियाई प्रधानमंत्री काजा कल्लास ने मंगलवार को ट्वीट किया, ''यूरोप की यात्रा करना विशेषाधिकार है, कोई मानवीय अधिकार नहीं।अब रूस के पर्यटकों पर रोक लगाने का समय है।'' इससे एक दिन पहले फिनलैंड की प्रधानमंत्री साना मारिन ने देश के प्रसारणकर्ता वाईएलई पर कहा था, ''यह सही नहीं है कि जब रूस यूरोप में आक्रामक युद्ध कर रहा है, ऐसे में रूस के लोग यूरोप में सामान्य तरीके से रहें, घूमें, चाहें पर्यटक हों।'' एस्टोनिया और फिनलैंड दोनों की सीमाएं रूस से लगती हैं और दोनों यूरोपीय संघ के सदस्य हैं। यूक्रेन पर हमले के बाद यूरोपीय संघ ने रूस से हवाई यात्राओं को प्रतिबंधित कर दिया था। लेकिन रूस के लोग सड़क मार्ग से दोनों देशों में आ सकते हैं और यहां आकर अन्य यूरोपीय देशों की हवाई यात्रा कर सकते हैं।

इराक और लेबनान में शिया मुसलमानों ने यौम-ए-आशूरा मनाया

बगदाद। इराक और लेबनान में शिया मुसलमानों ने मंगलवार को यौम-ए-आशूरा मनाया। इस्लामी कैलेंडर के मोहर्रम महीने के दसवें दिन मनाए जाने वाले यौम-ए-आशूरा पर सातवीं सदी में हुई पैगंबर मोहम्मद के नाती इमाम हुसैन की शहादत को याद किया जाता है। माना जाता है कि 680 ईसवी में दक्षिण बगदाद के करबला में हुई लड़ाई के दौरान हुसैन शहीद हो गए थे, लिहाजा यौम-ए-आशूरा पर बड़ी संख्या में शिया मुसलमान करबला में जुटते हैं और मातम मनाते हैं। शिया समुदाय के लोग हुसैन और उनके वंशजों को पैगंबर के असली वारिस के रूप में देखते हैं।

लेबनान में हिज्बुल्ला समर्थक रैली निकालते हुए।

ऑस्ट्रेलिया ताइवान को लेकर सावधानी बरते: चीनी राजदूत

कैनबरा। चीनी राजदूत ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में हाल में हुआ सत्ता परिवर्तन चीन के साथ खराब रिश्तों में 'पुनर्निर्धारित' करने का एक मौका था, लेकिन नए प्रशासन को ताइवान के मामले पर सावधानी बरतनी चाहिए। ऑस्ट्रेलिया में चीन के राजदूत शियाओ कियान ने कहा कि उन्हें इसकी हैरत हुई कि ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका और जापान के साथ मिलकर बयान पर हस्ताक्षर किए, जिसमें अमेरिकी प्रतिनिधिसभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की पिछले हफ्ते ताइवान की यात्रा की प्रतिक्रिया में चीन की ओर से जापान के जल क्षेत्र में मिसाइलें दागने की निंदा की गई है।

शियाओ ने कहा, हमें उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलियाई पक्ष चीन-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को गंभीरता से ले सकता है। एक चीन सिद्धांत को गंभीरता से ले और ताइवान मसले पर सावधानी बरते। उन्होंने नहीं बताया कि ताइवान के पास चीन का सैन्य अभ्यास कब खत्म होगा, मगर कहा कि इसकी घोषणा उचित समय पर होगी। चीन ताइवान का शांतिपूर्ण तरीके से एकीकरण करना चाहता है लेकिन शियाओ ने ताकत के इस्तेमाल से भी इनकार नहीं किया। राजदूत ने कहा, हम कभी भी अन्य साधनों के इस्तेमाल को खारिज नहीं कर सकते हैं। जब जरूरी होगा और जब मजबूरी होगी, तब हम सभी जरूरी साधन इस्तेमाल करने के लिए तैयार हैं।

ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री बनने के लिए केजरीवाल मॉडल अपना रहे ऋषि सुनक, जनता से कर डाला ये वादा

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन में इस समय नये प्रधानमंत्री के पद को लेकर सियासी घमासान काफी तेज है। बोरिस जॉनसन की जगह लेने वाले ब्रिटेन में सत्तारूढ़ 'कंजर्वेटिव पार्टी' के नए नेता और नए प्रधानमंत्री के नाम की घोषणा पांच सितंबर को की जाएगी। इस बीच प्रधानमंत्री पद के लिए ब्रिटेन के भारतीय मूल के पूर्व कैबिनेट मंत्री ऋषि सुनक और विदेश मंत्री लिज ट्रस कंजर्वेटिव पार्टी में बोरिस जॉनसन की जगह लेने की दौड़ में मुख्य दावेदार हैं। प्रधानमंत्री बनने के लिए ब्रिटेन के पूर्व वित्त मंत्री ऋषि सुनक ने मंगलवार को ऐसा वादा किया है जिसे सुनकर आपको शायद भारत के दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याद आ ही जाएगी। जी हां, सुनक ने वादा करते हुए कहा कि अगर वह देश के प्रधानमंत्री चुने गए तो वह घरों के बढ़ते बिजली बिलों से निपटने में लोगों की मदद करेंगे और इसके लिए वह अधिक पैसों की मदद देंगे। 42 साल के कंजर्वेटिव पार्टी के नेता सुनक ने लोगों को आर्थिक मदद के लिए लोन की सीमित करके बचत करने पर भी जोर दिया।

सीएम केजरीवाल की आ गई याद

जी हां, सुनक के इन वादों को सुनकर आपको दिल्ली के सीएम केजरीवाल की याद आ गई होगी। अपने चुनाव प्रचार में केजरीवाल ने भी कुछ ऐसा ही वादा किया था। चुनावों से पहले ऐसे वादे करना उनके लिए काफी मददगार साबित हुआ था। केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के इस फ्री फॉर्मले से पंजाब में भी बड़ी जीत हासिल हुई थी। फ्री बिजली के वादे को आगे कर उन्होंने पंजाब में आप पार्टी की सरकार बनाई और बड़े अंतर से जीत हासिल की थी।

ब्रिटेन में बिजली के क्षेत्र में काम कर रही संस्था कॉनवैल इनसाइट ने बताया कि ब्रिटेन में जिस तरह से बिजली की दरें बढ़ रही उससे आने वाले सर्दियों में अनुमान से अधिक बिजली आने की आशंका हैं। सुनक ने कहा, 'मेरे दिमाग में कोई संदेह नहीं है कि और अधिक समर्थन की जरूरत होगी।' बता दें कि ब्रिटेन के पीएम चुनाव में बिजली बिल एक प्रमुख मुद्दा बना हुआ है। कई चरणों में हो रहे चुनाव में सुनक की प्रतिद्वंद्वी विदेश मंत्री लिज ट्रस आगे चल रही हैं।

ड्रैगन की गीदड़ भभकी, ताइवान को मिलने के लिए सैन्य बल के इस्तेमाल का विकल्प खुला

बीजिंग (एजेंसी)।

ताइवान सीमा पर आक्रामक युद्धाभ्यास करने के एक सप्ताह बाद भी चीन अपनी गीदड़ भभकी से बाज नहीं आ रहा है। ड्रैगन ने फिर धमकी देकर कहा है कि चीन ताइवान को मिलाने के लिए सैन्य बल के इस्तेमाल का विकल्प भी खुला रखा है। चीनी सैन्य अभ्यास के बाद दोनों के बीच उच्चतम स्तर का तनाव बरकरार है। गौरतलब है कि अमेरिकी सीनेट की स्पीकर नैंसी पेलोसी का ताइवान यात्रा के बाद चीन ने खुले तौर पर धमकी देकर आक्रामक युद्धाभ्यास किया था। चीन ने लाइव मिसाइल फायरिंग की और उसके युद्धक जहाजों और लड़ाकू विमानों ने ताइवान के जल और नभ में घुसपैठ किया था। चीन का बयान ताइवान मामलों पर कैबिनेट कार्यालय और उसके समाचार विभाग द्वारा जारी किया गया है। बयान में कहा गया है कि बीजिंग ताइवान के साथ शांतिपूर्ण एकीकरण चाहता है, लेकिन सैन्य बल के उपयोग को छोड़ने की वह प्रतिज्ञा नहीं करता है। चीन ने कहा कि वह ताइवान को मिलाने के लिए अपने सभी आवश्यक विकल्पों को बरकरार रखता है। ताइवान को लक्ष्य कर चीन के हालिया सैन्य अभ्यास के कारण सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में से एक में बाधा उत्पन्न हो गया था और हवाई सेवा भी प्रभावित हुई थी। इससे वैश्विक सप्लाई चेन को भी नुकसान पहुंचा था। अमेरिका, जापान सहित कई देशों ने चीन की इस कार्रवाई की निंदा की थी। लेकिन चीन अपनी धमकी से बाज नहीं आ रहा है। चीन ने इसके जवाब में कहा कि वह अमेरिका, ताइवान के चीफ मिलिट्री और राजनीतिक समर्थक के साथ समुद्री सुरक्षा से लेकर जलवायु परिवर्तन तक के मुद्दों पर बातचीत को स्थगित कर दिया है।

चीन में मिला जानवरों से इंसानों में फैलने वाला लांग्या वायरस, क्या कोरोना की तरह मचाएगा तबाही, अब तक 35 लोग संक्रमित

बीजिंग।(एजेंसी)।

कोरोना महामारी से पूरी दुनिया में हाहाकार मचाने वाले देश चीन का इस समय बहुत बुरा हाल हो रखा है। बढ़ते कोरोना के मामलों से चीन के कई शहरों में लॉकडाउन लगा दिया गया है। इसी बीच अब ताइवान के रोग नियंत्रण केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, चीन में नया वायरस का आगमन हो चुका है।

इस वायरस का नाम लैंग्या वायरस है और इसके चीन में अब तक 35 मामले आ चुके हैं। मंगलवार को आधिकारिक चीनी मीडिया के अनुसार, हेनिपावायरस, जिसे आमतौर पर 'लैंग्या' हेनिपावायरस (एलवाईवी) के रूप में जाना जाता है, ने पूर्वी चीन के हेनान और शेडोंग प्रांतों में 30 से ज्यादा लोगों को संक्रमित कर दिया है। वहीं ताइपे टाइम्स ने कहा कि इस वायरस का जानवरों से मनुष्यों में फैलने में संभावना है और गुर्दे और लीवर भी फैल कर सकता है। मिडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके सामान्य लक्षण

बुखार, खांसी, भूख न लगना, और बॉडी पेन है।

लंग्या वायरस क्या है?

ये हेनिपावायरस का एक नया प्रकार है, जिसे लांग्या वायरस भी कहा जाता है। ये वायरस जानवरों और मनुष्यों में गंभीर बीमारी का कारण बन सकते हैं। अभी तक इस वायरस की कोई भी दवाई या वैक्सीन नहीं है। द-न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन में फाइलोजेनेटिक रूप से अलग हेनिपावायरस मिला है। ये एक जूनोटिक (जानवरों से इंसानों में फैलने वाला) हेनिपावायरस है।

पाक सेना में विद्रोह 'भड़काने' के आरोप में इमरान के करीबी शहबाज गिल गिरफ्तार

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेहद करीबी माने जाने वाले शहबाज गिल को राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। पाकिस्तान के गृहमंत्री राना सनाउल्ला ने इस गिरफ्तारी की पुष्टि की है। पाकिस्तानी पुलिस ने पूर्व गृहमंत्री शेख रशीद को भी पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह किसी तरह फरार होने में कामयाब हो गए। पाकिस्तानी सेना के इशारे पर किए गए पुलिस के इस ऐक्शन से इमरान खान और उनकी बेगम पर भी गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। इस बीच शेख रशीद ने धमकी दी है कि अगर इमरान खान को अरेस्ट करने या उनकी पार्टी पीटीआई को तोड़ने की कोशिश की गई तो इससे देश में 'खूनी राजनीति' शुरू हो जाएगी।

ताजा विवाद की शुरुआत उस समय हुई जब शहबाज गिल ने इमरान खान के करीबी टीवी चैनल एआरवाई पर सेना के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली और फौजियों से कहा कि वे सेना प्रमुख के आदेश को नहीं मानें। इसके बाद पाकिस्तानी सेना ऐक्शन में आ गई। पुलिस ने शहबाज गिल को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी को लेकर इमरान खान ने पार्टी की आपात बैठक बुलाई है। इमरान सरकार में मंत्री रहे फवाद चौधरी ने एक ट्वीट में कहा बनी गाला चौक से बिना नंबर प्लेट के वाहनों में आए लोगों ने शहबाज गिल को अगवा कर लिया। शहबाज गिल इमरान खान के करीबी माने जाते हैं और उनके कहने पर मीडिया में अपनी बात रखते हैं। बनी गाला चौक इमरान खान के बनी गाला आवास से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

एक अन्य पीटीआई नेता मुराद सईद ने भी उनकी गिरफ्तारी की सूचना दी और कहा कि उनकी कार के शीशे टूट गए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि गिल के एक सहायक को पीटा भी गया था। पीटीआई के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से साझा किए गए एक वीडियो में टूटे शीशे दिखाई दे रहे हैं। पाकिस्तान के गृहमंत्री राना सनाउल्ला ने कहा कि शहबाज गिल ने एक साजिश के तहत सेना में फूट डालने की कोशिश की। इसी आधार पर उन्हें देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

इस बीच शहबाज गिल को मंच देने वाले इमरान खान के करीबी टेलीविजन चैनल एआरवाई को सेना के इशारे पर निलंबित कर दिया गया है। शहबाज सरकार के इस कदम की आलोचकों ने देश में मीडिया की स्वतंत्रता को दबाने के लिए एक अवैध कदम के रूप में निंदा की है। निजी पाकिस्तानी केबल ऑपरेटरों को पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेगुलेटरी अथॉरिटी (पीईएमआरए) द्वारा एआरवाई न्यूज के प्रसारण को तुरंत 'अगली सूचना तक' के प्रसारण को रोकने का आदेश दिया गया है।

संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा मिशन : ये कैसे काम करते हैं और क्या चुनौतियां हैं

गाजा सिटी। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र के शांतिरक्षा अभियानों का उद्देश्य संघर्ष प्रभावित देशों में सतत सुरक्षा और शांति स्थापित करना है लेकिन इसके लिए उन्हें जटिल अंतरराष्ट्रीय राजनीति, संसाधनों और अपने अभियान के प्रबंधन की चुनौतियों से भी जूझना पड़ता है। शीत युद्ध के बाद से संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा अभियानों को युद्ध को जल्द खत्म करने, नागरिकों की रक्षा करने तथा दीर्घकालीन शांति एवं सुरक्षा को समर्थन देने के उद्देश्य से तैयार किया गया। इसके लिए शांति समझौतों को लागू करने में सैन्य कार्रवाई और कूटनीति की आवश्यकता होती है। बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र के शांति रक्षा अभियानों के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग कम हो रहा है और अंतरराष्ट्रीय तनाव जैसी चुनौतियां बढ़ रही हैं।

हाल के हफ्तों में कांगो गणरज्य में संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षकों के खिलाफ प्रदर्शनों में हिंसा भड़क उठी और कई लोगों को जान गंवानी पड़ी। शांति रक्षा अभियानों के 1991 से 2011 के बीच के अनुभव दिखाते हैं कि सफलता के लिए उन्हें युद्ध से देशों में पैदा हो रहे व्यापक मुद्दों से निपटने की आवश्यकता होती है। इन मुद्दों में पुलिस, न्याय और सशस्त्र समूहों का निरस्त्रीकरण शामिल है ताकि संघर्ष के बाद वैध और स्थायी सरकार बनायी जा सके, शरणार्थी लौट सकें, महिलाओं को सुरक्षा दी जाए और सशक्त बनाया जा सके तथा रोजगारों का सृजन किया जा सकें।

किसी देश में शांतिरक्षकों को भेजने का फैसला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद करती है और फिर संयुक्त राष्ट्र सचिवालय पर इस अभियान के लिए विस्तारपूर्वक रणनीति बनाने तथा उसे लागू करने की जिम्मेदारी होती है। वे आम तौर पर अभियान के लिए हजारों कर्मियों को भेजते हैं। संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों से सैन्य तथा पुलिस कर्मियों के रूप में योगदान देने का अनुरोध किया जाता है, जिसके लिए उन्हें संयुक्त राष्ट्र निधि से वेतन दिया जाता है। यह कई विकासशील देशों की सशस्त्र सेनाओं के लिए आय का प्रमुख स्रोत है। अमेरिका, ब्रिटेन या फ्रांस जैसे अन्य देश अपनी अलग सशस्त्र सेनाएं भी भेज सकते हैं। ये बल संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यों का समर्थन करते हैं। संगठनात्मक चुनौतियां - संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय तथा स्थानीय एजेंसियों ने प्रत्येक मिशन के मुद्दों से निपटने के लिए कई कार्यक्रम बनाए हैं। इसी तरह राष्ट्र सरकारों और अंतरराष्ट्रीय गैर लाभकारी संगठनों (एनजीओ) ने अपने कार्यक्रम बनाए हैं। इसमें सैकड़ों संगठन संयुक्त राष्ट्र मिशनों में योगदान देने के लिए हजारों कर्मियों और स्थानीय कर्मियों को जोड़ सकते हैं लेकिन अपनी प्राथमिकताओं के आधार पर। यह कोई हैरानी की बात नहीं है कि संयुक्त राष्ट्र का इस जटिल शांति रक्षा प्रक्रिया का समन्वय एक वास्तविकता से ज्यादा एक आकांक्षा है।

प्रत्येक मिशन की अगुवाई करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के एक उच्च प्रतिनिधि को नियुक्त किया जाता है। ऐसी कई घटनाएं हुई हैं जब संयुक्त राष्ट्र मिशन भ्रष्टाचार पर ज्यादा कुछ करते दिखायी नहीं दिए। अन्य मामलों में संयुक्त राष्ट्र के शांति रक्षकों ने हिंसा से नागरिकों की रक्षा के लिए कदम नहीं उठाया जैसे कि दक्षिण सूडान। संयुक्त राष्ट्र के कर्मियों का अपने पदों का दुरुपयोग करते हुए यौन शोषण की घटनाओं से भी नाता रहा है।

संयुक्त राष्ट्र सचिवालय के लिए पर्याप्त अधिकार न होने के कारण इन समस्याओं से निपटना मुश्किल है। समर्थन कम होना - संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग 2011 के बाद से कम हो गया है। भारत और चीन जैसे कुछ प्रभावशाली देश संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा अभियानों के वृहद रुख को लेकर उदासीन हैं। पश्चिमी देशों से भी पूरा सहयोग नहीं मिल रहा है खासतौर से ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका की नीति तथा वित्त पोषण में बदलाव आने के बाद से।

टी20 रैंकिंग में सूर्यकुमार दूसरे नंबर पर, अय्यर ऊपर बढ़े, बिश्नोई और कुलदीप को भी फायदा

बर्मिंघम (एजेंसी)।

दुबई। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव बुधवार को जारी ताजा आईसीसी टी20 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर बरकरार हैं जबकि हमवतन श्रेयस अय्यर दो पायदान के फायदे से 19वें स्थान पर पहुंच गये। पाकिस्तान के बाबर आजम बल्लेबाजी सूची में शीर्ष पर काबिज हैं और सूर्यकुमार यादव भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर बने हुए हैं जिनके 805 अंक हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल में समाप्त हुई श्रृंखला के अंतिम टी20 मुकाबले में 40 गेंद में 64 रन की पारी खेलने वाले अय्यर पहले चार मैचों में बड़ी पारी नहीं खेल सके थे। गेंदबाजों में स्पिनर रवि बिश्नोई और कुलदीप यादव को रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है।

बिश्नोई (21 वर्ष) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दो मैचों में छह विकेट झटके थे जिससे वह 50 पायदान की छलांग से 44वें स्थान पर पहुंच गये। वहीं कुलदीप ने अंतिम मैच में तीन विकेट चटकाये थे, उन्होंने 58 पायदान की छलांग लगायी जिससे वह 87वें नंबर पर काबिज होने में सफल रहे। हालांकि सीनियर तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बावजूद एक पायदान नीचे नौवें स्थान पर खिसक गये। दक्षिण अफ्रीका के रीजा हेंड्रिक्स को टी20 में काफी लाभ हुआ है, वह आयरलैंड पर श्रृंखला में 2-0 की जीत के दौरान 74 और 42 रन की पारी की बदौलत 13वें स्थान पर पहुंच गये।

दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज 10 पायदान के फायदे से गेंदबाजों की सूची में 18वें स्थान पर पहुंच गये जबकि दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी (23वें नंबर) और न्यूजीलैंड के लॉकी फर्यूसन (31वें नंबर) ने भी रैंकिंग में अपने स्थान में सुधार किया है। पाकिस्तानी कप्तान आजम टी20 में नंबर एक रैंकिंग के बल्लेबाज बने हुए हैं जबकि आस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड और अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी क्रमशः गेंदबाजों और आल राउंडर की सूची में पहले स्थान पर काबिज हैं।

शीर्ष अमेरिकी लॉन टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने जताया संन्यास लेने का अंदेशा

वॉशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका की शीर्ष लॉन टेनिस खिलाड़ी और 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स ने मंगलवार को अपने संन्यास का अंदेशा देते हुए कहा कि उलटी गिनती शुरू हो गई है। विलियम्स ने इंस्टाग्राम पर कहा कि जिन्दगी में एक ऐसा समय आता है, जब हमें एक अलग दिशा में बढ़ने का फैसला करना होता है। वह समय हमेशा कठिन होता है जब आप किसी चीज से इतना प्यार करते हैं।

उन्होंने कहा कि मत पूछिए मैं टेनिस का कितना आनंद लेती हूं, लेकिन अब उलटी गिनती शुरू हो गई है। मुझे एक मां होने पर, अपने आध्यात्मिक लक्ष्यों पर और अंत में एक अलग, लेकिन सिर्फ रोमांचक सेरेना की खोज पर ध्यान केंद्रित करना है। मैं इन अगले कुछ हफ्तों का आनंद लेने वाली हूं।

अमेरिकी दिग्गज ने जून में विंबलडन में अपनी एकल वापसी करने से पहले चोट के कारण लंबे समय तक टेनिस नहीं खेला था जिसके बाद उनके सन्यास के बारे में अटकलें लगाई गईं। वह कहती हैं कि वह इस महीने के अंत में यूएस ओपन में खेलेंगी, जहां उन्होंने अपने 6 प्रमुख एकल खिताब जीते हैं। विलियम्स ने अपना आखिरी ग्रैंड स्लैम खिताब 2017 ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीता था, जब वह बेटी ओलंपिया के साथ 8 सप्ताह की गर्भवती थीं। विलियम्स ने सोमवार को 14 महीनों में अपनी पहली एकल जीत दर्ज करते हुए टोरंटो में नेशनल बैंक ओपन में स्पेन की नुरिया पारिजास डियाज को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वह ओपन युग में सर्वाधिक खिताब जीतने वाली महिला खिलाड़ी हैं। अगले महीने 41 साल की होने वाली विलियम्स ने 73 करियर एकल खिताब और 23 करियर युगल खिताब हैं।

मुंबई इंडियंस ने घोषित की यूएई और दक्षिण अफ्रीका टी-20 लीग की अपनी टीमें

मुंबई/दुबई/केप टाउन (एजेंसी)।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के स्वामित्व वाली मुंबई इंडियंस (एमआई) ने बुधवार को 'एमआई एमिरेट्स' और एमआई केप टाउन के रूप में दो नई फ्रेंचाइजी टीमों का अनावरण किया। रिलायंस ने बताया कि एमआई एमिरेट्स संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अंतरराष्ट्रीय टी-20 लीग में खेलेगी, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टी-20 लीग में खेलने वाली टीम का नाम एमआई केप टाउन होगा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की निदेशक नीता अंबानी ने कहा- मुझे एमआई एमिरेट्स और एमआई केप टाउन का स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है, यह हमारे मुंबई इंडियन्स परिवार के सबसे नए सदस्य हैं। हमारे लिए एमआई क्रिकेट से कहीं अधिक है। यह सपने देखने, निडर होने और जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की क्षमता का प्रतीक है। मुझे यकीन है कि एमआई एमिरेट्स और एमआई केप टाउन दोनों समान मूल्यों को अपनाएंगे और एमआई की वैश्विक क्रिकेट विरासत को और भी अधिक ऊंचाइयों तक ले जाएंगे!

लंका प्रीमियर लीग 6 दिसंबर से, इस टीम का अब तक रहा है दबदबा

कोलंबो(एजेंसी)।

पूर्व में स्थगित की गई लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) अब छह से 23 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी। आयोजकों ने यह घोषणा की। इस टी-20 लीग का आयोजन पहले एक अगस्त से 21 अगस्त तक होना था लेकिन श्रीलंका में वित्तीय संकट के कारण इसको पिछले महीने स्थगित कर दिया गया था। एलपीएल टूर्नामेंट के आयोजक समांता डोडनवेला ने कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि लंका प्रीमियर लीग का आयोजन छह से 23 दिसंबर के बीच किया जाएगा। लीग के प्रमोटर आईपीजी ने भी ट्विटर पर इस खबर की पुष्टि की। श्रीलंका ने आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद जुलाई में आस्ट्रेलिया की सफल मेजबानी की थी। उसे एशिया कप की मेजबानी भी करनी थी लेकिन अब इसे 27 अगस्त से 11 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया जाएगा। श्रीलंका प्रीमियर लीग के अब तक दो सीजन हुए हैं। 2020 सीजन में जाफना स्टैलियंस ने गाले ग्लेडिएटर्स को हराकर खिताब जीता था तो 2021 में जाफना किंग्स ने गाले ग्लेडिएटर्स को हराकर खिताब जीता। टूर्नामेंट में कुल 5 टीमें हिस्सा लेती हैं। दानुष्का गुणाथिलके सबसे ज्यादा 702 रन बनाने वाले प्लेयर हैं तो वानिंदु हसरंगा सबसे ज्यादा 28 विकेट निकाल चुके हैं।

शाहीन से मुकाबले के लिए तैयार रहें भारतीय बल्लेबाज: कनेरिया

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने कहा है कि एशिया कप क्रिकेट मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजों को पाक तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी से डरने की जरूरत नहीं है। कनेरिया ने कहा है कि भारतीय टीम के पास रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे बल्लेबाज हैं। उन्हें बस इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि शाहीन फुलर गेंदबाजी करने और गेंद को स्विंग कराने के लिए देखेगा। इसलिए उन्हें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय बल्लेबाजों को इस तरह की गेंद को शरीर के नजदीक से खेलना होगा। सूर्यकुमार यादव के स्क्वायर लेग पर फ्लिक शॉट भी शाहीन की गेंदबाजी को बेकार कर सकते हैं। अन्य बल्लेबाजों को भी उनसे सीखने की जरूरत है। बल्लेबाज बाएं हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ थोड़ा परेशान जरूर दिखे हैं। पिछले दिनों इंग्लैंड के रिसी टॉपली और वेस्टइंडीज के ओबेड मैकॉय ने भी उन्हें काफी परेशान किया।

गौरतलब है कि एशिया कप दूसरी बार टी20 प्रारुप में खेला जा रहा है। अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए यह टूर्नामेंट अहम है। टी20 एशिया कप 27 अगस्त से यूएई में होना है। इस टूर्नामेंट के मेन राउंड में कुल 6 टीमें उतर रही हैं। भारत और पाक के बीच 28 अगस्त को दुबई में ग्रुप राउंड का मुकाबला खेला जाना है।पिछले साल यूएई में हुए टी20 वर्ल्ड कप के बाद पहली बार दोनों टीमें किसी इंटरनेशनल मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

रूडी अपनी पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ अंपायरों में से एक थे: आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायर रूडी कर्टजन के निधन पर दुख जताया है। कर्टजन दक्षिण अफ्रीका में एक कार हादसे का शिकार हुए थे। उन्होंने 1992 से 2010 के बीच 331 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों में अंपायरिंग की थी। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, ''रूडी अपनी पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ अंपायरों में से थे और खिलाड़ी उनका बहुत सम्मान करते थे। उन्होंने करीब दो दशकों तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अंपायरिंग की और आईसीसी ने इस अवधि के दौरान कुछ बड़े मैचों के लिए उन पर भरोसा दिखाया।'' उन्होंने कहा, ''रूडी अपने समकालीन खिलाड़ियों और अंपायरों में बेहद लोकप्रिय थे और हमेशा मदद के लिए तैयार रहते थे। क्रिकेट में उनका योगदान आने वाले कई वर्षों तक याद किया जाएगा। हम उनके दुखद निधन पर उनके परिवार और दोस्तों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं।''

अजहरुद्दीन ने महिला टीम की बल्लेबाजी को बताया बकवास, फैन्स ने लगा दी क्लास

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम बर्मिंघम में कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गई। इसके बाद भारत को अपने पहले सिल्वर मेडल के साथ ही संतोष करना पड़ा। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 65 रन बनाए, लेकिन उनकी यह शानदार पारी टीम को जीता नहीं सकी। भारत को पहला सिल्वर मेडल दिलाने के लिए देशभर में टीम इंडिया की सराहना हुई, लेकिन इस बीच टीम इंडिया के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने महिला टीम के बारे में कुछ ऐसा कह दिया है, जिसकी जमकर आलोचना हो रही है!

दरअसल भारत को गोल्ड जीतने के लिए 162 रन बनाने की जरूरत थी, लेकिन टीम 152 रनों पर ही आउट हो गई। सिर्फ कुछ रनों की कमी से टीम इंडिया एक बड़े टाइटल को जीतने से पीछे रह गई। महिला क्रिकेट टीम को उनके प्रयासों के लिए सिल्वर मेडल मिला। इसके बाद अजहरुद्दीन ने उनके प्रदर्शन के लिए टीम को ट्विटर पर फटकार लगाई, जिसके बाद उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। अजहरुद्दीन ने ट्वीट किया, भारतीय टीम की बकवास बल्लेबाजी. कोई कॉमन सेंस नहीं। एक जीती हुई बाजी को हाथ से जाने दिया। उनका ट्वीट कुछ ही समय में वायरल हो गया. फैन्स कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला टीम के समर्थन में आए और अजहरुद्दीन को इस तरह का कमेंट करने के लिए जमकर लताड़ा। फैन्स ने उनकी कप्तानी के दिनों और उनके खराब परफॉर्मेंस की याद दिलाई।

लंदन में फिर चैम्पियन बनी भवानी देवी, राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैम्पियनशिप में जीता गोल्ड

लंदन (एजेंसी)।

भारत की भवानी देवी ने यहां चल रही राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर अपने खिताब का अच्छी तरह से बचाव किया। विश्व में 42वें रैंकिंग की भारतीय तलवारबाज ने सीनियर महिला साबरे व्यक्तिगत वर्ग के फाइनल में मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया की वेरोनिका वासिलेवा को 15-10 से हराया।

ओलिम्पिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय तलवारबाज बनने के बाद चेन्नई में जन्मी भवानी ने अपने खेल में लगातार प्रगति की है। उन्होंने इस्तांबुल में खेले गए विश्वकप से इस साल की शुरुआत की जिसमें वह 23वें स्थान पर रही। इसके बाद भवानी ने जुलाई में काहिरा में विश्व चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया और दूसरे दौर तक पहुंचने में सफल रही। राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैम्पियनशिप इस साल उनका दसवां अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है। अपनी जीत पर भवानी ने कहा- फाइनल बेहद कड़ा था और मैं इस साल भारत के लिए एक और स्वर्ण पदक जीतकर बेहद प्रसन्न हूं। मेरे लिए इस साल का सफर अभी तक बहुत अच्छा रहा है और मैं आगामी प्रतियोगिताओं में भी यही लय बरकरार रखना चाहती हूं। भारतीय तलवारबाजी संघ के महासचिव राजीव मेहता उन्हें देश में तलवारबाजी की मशालवाहक के रूप में देखते हैं। मेहता ने कहा कि वह भारत के प्रत्येक तलवारबाज के लिए प्रेरणा है और उसके कारण कई युवा इस खेल में वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोडने का सपना देखते हैं। इस स्वर्ण पदक से हमारा विश्वास बढ़ा है कि भारत में तलवारबाजी खेल आगे बढ़ रहा है।

नाओमी ओसाका को कमर में लगी चोट, इस नामी टूर्नामेंट से हुई बाहर

टोरंटो। चार बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नाओमी ओसाका कमर की चोट के कारण नेशनल बैंक ओपन के पहले ही दौर से बाहर हो गई। उस समय वह एस्तोनिया की केइया कानेपी से 6.7, 0.3 से पीछे चल रही थी। इससे पहले पिछले 3 टूर्नामेंटों में वह पहले या दूसरे दौर में ही बाहर हो गई थी। फ्रेंच ओपन के बाद यह उनका पहला टूर्नामेंट था। कानेपी का सामना अब स्पेन की गार्बाइन मुगुरूजा से होगा। अन्य मैचों में कोको गॉ ने अमेरिका की ही मेडिसन ब्रेंगलेम को 6.1, 6.3 से हराया। वहीं चीन की झेंग किनवेन ने कनाडा की रेबेका मारिनो को 3.6, 7.6, 6.4 से मात दी। इटली की कामिला जियोर्जी ने नौवीं वरीयता प्राप्त इंग्लैंड की एम्मा राडूकानू को 7.6, 6.2 से हराया।

अरशद की नजरें अब विश्व रिकार्ड पर लगीं

लाहौर। पाकिस्तान के भाल फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम राष्ट्रमण्डल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद से ही देश में छाये हुए हैं। अरशद ने राष्ट्रमण्डल खेलों में 90.18 मीटर लंबा थ्रो कर स्वर्ण जीता। इससे देश में जश्न का माहौल है। अरशद ने कहा कि वह इन खेलों में 95 मीटर दूर भाला फेंकना चाह रहे थे पर चोट के कारण 90 तक ही फेंक पाया। अब मेरा लक्ष्य बेहतरीन ट्रेनिंग लेकर विश्व रिकॉर्ड तोड़ना है। ऐसे में भारत के नीरज चोपड़ा के साथ उनका मुकाबला तेज हो सकता है। जेवलिन थ्रो के टॉप-20 विश्व रिकॉर्ड में नीरज और अरशद को यदि विश्व रिकॉर्ड तोड़ना है, तो उन्हें और कड़ी मेहनत करनी होगी, क्योंकि चेक रिपब्लिक के जान ज़ेलेज़नी के नाम 98.48 मीटर का विश्व रिकार्ड है।

जिम्बाब्वे दौरे में टीम इंडिया को मिलेगी कड़ी टक्कर

मुबई (एजेंसी)।

शिखर धवन की कप्तानी में भारतीय टीम 15 अगस्त को जिम्बाब्वे दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम को इस दौरे में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए तैयार रहना चाहिये। उसे मेजबान टीम को हल्के में नहीं लेना होगा क्योंकि . बांग्लादेश के खिलाफ टीम ने शानदार खेल दिखाया है। जिम्बाब्वे के कप्तान रेगिस चकाब्वा अभी जबरदस्त लय में हैं। उन्होंने हाल ही में 14 साल के बाद अपने एकदिवसीय करियर का पहला शतक भी लगाया है। चकाब्वा ने अपने एकदिवसीय करियर की शुरुआत साल 2008 में केन्या के खिलाफ सीरीज से की थी पर उन्होंने शतक बांग्लादेश के खिलाफ 2022 में लगाया था। चकाब्वा ने बांग्लादेश के खिलाफ दुसरे एकदिवसीय मुकाबले में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए केवल 75 गेंदों में 136 की स्ट्राइक रेट से 102 रन बनाये। इस दौरान उन्होंने 10 चौके एवं दो छक्के लगाये। चकाब्वा के क्रिकेट करियर के बारे में तो इन्होने जिम्बाब्वे के लिए टेस्ट क्रिकेट में 22 मैच खेलते हुए 43 पारियों में 27.2 की औसत से 1061 रन बनाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम एक शतक और पांच अर्द्धशतक दर्ज है। इसके अलावा उन्होंने अपनी टीम के लिए वनडे में 55 मैच खेलते हुए 51 पारियों में 21.6 की औसत से 1057 रन बनाए हैं।

मोरे ने अश्विन को शामिल करने पर उठाये सवाल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर किरण मोरे ने अनुभवी स्पिनर आर अश्विन को एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किये जाने को लेकर सवाल उठाये हैं। इस दौरे के लिए भारतीय टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को जगह नहीं दी गयी है।

मोरे ने कहा कि भारत एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज के तौर पर मोहम्मद शमी को शामिल कर सकता था। इसके अलावा चयनकर्ता अश्विन की जगह पर अक्षर पटेल को बतौर ऑलराउंडर स्पिनर के तौर पर रख सकते थे। उन्होंने कहा, मैं हैरान हूं अश्विन भी इस टीम में कैसे आ सकते हैं? और हर बार. पिछले विश्व कप में भी उन्हें टीम में चुना गया था पर अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली। वैसे भी उनका टी20 रिकार्ड अच्छा नहीं है। उनकी जगह अक्षर को शामिल किया जाना चाहिये था। अक्षर ने अब तक बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। शमी वह विश्व कप में जरुर शामिल किया जाएगा। शमी नई गेंद से बीच के ओवरों में भी विकेट ले सकते हैं।

केएल राहुल के एशिया कप 2022 खेलने पर फिर लटकी तलवार, यह है कारण

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भले ही केएल राहुल को आगामी एशिया कप के लिए टीम इंडिया में शामिल कर लिया है लेकिन उनका खेलना अभी भी संदिग्ध बना हुआ है। आपरेशन करवाने के बाद से राहुल रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। सिलेक्टर्स उनकी प्रगति देखकर खुश है लेकिन राहुल ने अभी भी वापसी के लिए जरूरी फिटनेस टेस्ट पास नहीं किया है। आगामी दिनों में एनसीए में राहुल का टेस्ट होना है। अगर वह फेल हो गए तो उनके लिए एशिया कप खेलना संदिग्ध हो जाएगा।

नहीं तो श्रेयस अय्यर होंगे शामिल

बीसीसीआई सूत्र का कहना है कि केएल राहुल फिलहाल पूरी तरह फिट बताए जा रहे हैं इसी कारण उनका टीम में सिलेक्शन हुआ है। लेकिन प्रोटोकॉल के चलते उन्हें बेंगलुरु में होने वाले फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। समझा जाता है कि अगर केएल राहुल टेस्ट में फेल हो गए तो उनकी जगह श्रेयस अय्यर को मौका दिया जाएगा। श्रेयस को पहले से एशिया कप के लिए टीम इंडिया के साथ बतौर स्टैंडबाय रखा गया है।

इसलिए फिटनेस पर उठ रहे सवाल

अप्रैल से शुरू होने आईपीएल के बाद से अब तक केएल राहुल ने कोई टी-20 नहीं खेला है। उन्होंने जून में ही जर्मनी से सर्जरी करवाई थी। जुलाई में उन्होंने इससे उभरकर ट्रेनिंग शुरू कर दी थी। लेकिन फिर पिछले महीने उनकी कोविड रिपोर्ट पॉजीटिव आ गई। ठीक होने के बाद राहुल फिर से ट्रेनिंग करने लगे लेकिन उनकी फिटनेस पर अभी भी सवाल खड़ा हो रहा है।

एशिया कप 2022 के लिए टीम इंडिया टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (वीसी), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, रिषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रविंद्र जडेजा, रवि अश्विन, युजी चहल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, अवेश खान।

बीजेपी अब 2024 के चुनाव की करे चिंता : नीतीश कुमार

पटना, 10 अगस्त (का.सं.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शपथ ग्रहण करने के बाद बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को 2024 के लोकसभा चुनाव के बारे में चिंता करनी चाहिए।

नीतीश कुमार (71) ने आज आठवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने भी शपथ ली जो नई सरकार में उपमुख्यमंत्री होंगे। शपथ ग्रहण के बाद नीतीश ने संवाददाताओं से बातचीत में भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, उनकी तरफ से जदयू को हराने की कोशिश हुई। हम तो मुख्यमंत्री बनना भी नहीं चाहते थे। दबाव बनाया गया...क्या-क्या हुआ वो आप लोग देख रहे थे।'' यह पूछे जाने पर कि क्या वह अगले लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे तो उन्होंने कहा, मेरी कोई दावेदारी नहीं है।'' इस प्रश्न पर कि क्या वह देश में अब विपक्ष की राजनीति को मजबूत करेंगे, नीतीश ने कहा, पूरे तौर पर करेंगे । एक बार पहले भी किया था । हम चाहेंगे कि सभी लोग मिलकर पूरी तरह से मजबूत हों... कुछ लोगों को लगता है कि विपक्ष खत्म हो जाएगा तो हमलोग भी अब आ ही गए हैं विपक्ष में।'' उन्होंने कहा, जिनको 2014 में (जीत) मिली, अब उन्हें 2024 के बारे में चिंता करनी चाहिए।''

मुख्यमंत्री ने भाजपा निशाना साधते हुए कहा, जो लोग 2014 में आए, वे 2024 के आगे रह पाएंगे या नहीं ?'' यह पूछे जाने पर कि अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी में क्या अंतर है, उन्होंने कहा, श्रद्धेय अटल जी और उस समय के अन्य लोग कितना प्रेम करते थे, वह कभी हम भूल सकते हैं क्या ? उस समय की बात अलग थी।'' अपने पूर्व सहयोगी आरसीपी सिंह का नाम लिए बगैर पर उन पर निशाना साधते हुए नीतीश ने कहा, एक आदमी को जिम्मा दे दिए। उस आदमी से पूछिए। वह पार्टी के साथ रहने की बजाय कहीं और चले गए।''

बीजेपी के तोते उड़ चुके हैं, नीतीश और तेजस्वी ने कर दिया खामोश : शत्रुघ्न सिन्हा

पटना, 10 अगस्त (का.सं.)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने बिहार के राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अहंकार का प्रदर्शन किया है और यह बात किसी से छिपी नहीं है। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि भाजपा के तोते उड़ चुके हैं। सांसद शत्रुघ्न सिन्हा मंगलवार को पटना एयरपोर्ट पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने नीतीश और तेजस्वी की भी तारीफ की। टीएमसी सांसद ने कहा कि नीतीश और तेजस्वी ने भाजपा को 'खामोश' कर दिया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के पास शिकायत करने का कोई कारण नहीं है क्योंकि नीतीश कुमार ने केवल वही दोहराया है जो भाजपा ने मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में किया है। अभिनेता से नेता बने शत्रुघ्न सिन्हा के अनुसार नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के बीच दूसरा महागठबंधन भाजपा को 'खामोश' बने रहने की चेतावनी है। ज्ञात हो कि 'खामोश' शत्रुघ्न सिन्हा का फेमस बॉलीवुड डायलॉग भी है।

शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, 'भाजपा ने जो किया है, उसी का फल भुगत रही है। कैसे सरकार को खरीदा और अहंकार का प्रदर्शन किया है, यह छिपा नहीं है। बिहार में जो चल रहा था और जो हुआ है, वह अचानक नहीं हुआ। नीतीश कुमार जी का कोई वादा भाजपा ने पूरा नहीं किया। उलटे यह और कहा कि अब हम सबको खत्म कर देंगे और सिर्फ बीजेपी होगी। अब भाजपा ही अकेली रही गई है।'

यह पूछे जाने पर कि लोग हाल की घटनाओं के बारे में कैसा महसूस करते हैं, इस पर सिन्हा ने कहा, 'कुल मिलाकर लोग बहुत खुश हैं। असल में, वे यही कह रहे हैं कि भाजपा के साथ वही हुआ जो वह वर्षों से कर रही है। 'जैसा तुम बोओगे, वैसा ही काटोगे'। उन्होंने इसे मध्य प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र में अपनी धन शक्ति के माध्यम से किया है ... अब उन्हें जैसा का तैसा मिला।

नीतीश कुमार के सीएम बनने के बाद टीएमसी के साथ आने के सवाल पर बॉलीवुड एक्टर ने कहा ने कहा कि अभी तो शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा, 'यह संदेश गया है कि अब एक ही रास्ता बचा है, एकता का। इस एकता की बात नीतीश कुमार के साथ ही ममता बनर्जी और अखिलेश यादव भी कर रहे हैं।'

उन्होंने तेजस्वी यादव को यूथ आइकॉन कहा साथ ही नीतीश को पीएम पद का दावेदार भी बताया। उन्होंने कहा, 'मैंने ही सबसे पहले कहा था कि नीतीश कुमार पीएम के दावेदार क्यों नहीं हो सकते।' गौरतलब है कि शत्रुघ्न सिन्हा पहले भाजपा में थे, लेकिन मतभेद होने के कारण उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी। वह इस समय आसनसोल से तृणमूल कांग्रेस के सांसद हैं।

नीतीश के साथ छोड़ने को एक अवसर के रूप में देख रही भाजपा

पटना, 10 अगस्त (का.सं.)। बिहार में लगातार बढ़ रही ताकत, जनाधार और विधायकों की संख्या के बावजूद बिहार भाजपा के लिए एक ऐसा किला रहा है जिसे वो अकेले कभी नहीं भेद पाई। नीतीश कुमार साथ रहे तो बिहार में सत्ता मिली और साथ छोड़ गए तो सत्ता गंवा कर विपक्ष में बैठना पड़ा।

नीतीश कुमार का प्रभाव या यूं कहें कि दबाव इतना ज्यादा रहा कि लगातार सत्ता में रहने के बावजूद भाजपा बिहार में एक मजबूत चेहरा तक नहीं खड़ा कर पाई।

ऐसे में दूसरी बार नीतीश कुमार का साथ छोड़ कर जाने को भाजपा अपने लिए एक अवसर के तौर पर भी देख रही है। दरअसल, भाजपा सूत्रों की मानें तो 2020 विधानसभा चुनाव में जेडीयू के हश्र ने भाजपा आलाकमान को यह आभास तो दे ही दिया था कि नीतीश कुमार की लोकप्रियता राज्य में तेजी से घटी है और अपने राजनीतिक स्टाइल के मुताबिक अपने प्रभाव को साबित करने के लिए नीतीश कुमार फिर से पाला बदल सकते हैं। लेकिन भाजपा अपनी तरफ से नीतीश कुमार को गठबंधन तोड़ने का कोई बहाना नहीं देना चाहती थी इसलिए जेडीयू से ज्यादा विधायक होने के बावजूद भाजपा ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया और पार्टी के शीर्ष नेता लगातार यह बयान देते रहे कि बिहार के नेता नीतीश कुमार ही हैं।

लेकिन इस बीच बिहार से आ रहे राजनीतिक फीडबैक, मतदाताओं के मूड और सर्वे की रिपोर्टें से भाजपा की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही थी। तमाम स्रोतों से आ रही खबर भाजपा को यह अहसास दिलाने लगी थी कि नीतीश कुमार अब गठबंधन के लिए, भाजपा के लिए उतने उपयोगी नहीं रह गए हैं जितने उपयोगी वो किसी जमाने में हुआ करते थे।

गठबंधन तोड़ने के ऐलान के बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तो खुलकर यह कह दिया कि नीतीश कुमार अब बिहार के लिए एसेट नहीं लायबिलिटी (फायदेमंद के बजाय नुकसानदायक) बन गए हैं। शब्द गिरिराज सिंह के थे और जिक्र बिहार का था, लेकिन वास्तव में यह भावना भाजपा की थी और एनडीए गठबंधन के लिए थी। यही वजह है कि इस बार भाजपा ने अपनी तरफ से नीतीश कुमार को मनाने की कोई कोशिश नहीं की।

भाजपा अब नीतीश कुमार पर विश्वासघात का आरोप लगाते हुए पूरे बिहार में पार्टी संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर काम करेगी, ताकि पार्टी बड़े भाई की भूमिका में अपने दम पर अपना मुख्यमंत्री बना सके।

आरजेडी-जेडीयू नागनाथ-सांपनाथ, एक को चुनना था इसलिए नीतीश को चुना : गिरिराज सिंह

पटना, 10 अगस्त (का.सं.)। बिहार में बीजेपी-जेडीयू का गठबंधन टूटने पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी को बिहार में नागनाथ और सांपनाथ (जेडीयू और आरजेडी) में से किसी एक को चुनना था। इसलिए पार्टी ने प्रदेश की भलाई के लिए नीतीश कुमार को चुना था। गिरिराज ने कहा कि उन्हें पहले ही पता था कि बिहार में एनडीए का गठबंधन टूटेगा। गिरिराज सिंह ने ट्वीट कर नीतीश कुमार को सांप की संज्ञा भी दी।

गिरिराज सिंह ने बुधवार को पटना में मीडिया से बातचीत में कहा कि हम नीति और नियत के साथ चलते हैं। नीतीश कुमार के मन में महत्वाकांक्षा सिर पर नाचने लगी। जेडीयू को गठबंधन तोड़ने के लिए कुछ न कुछ बहाना चाहिए था। अगर हमें साथ छोड़ना होता तो 43 सीटों वाली जेडीयू और 74 सीटों वाली बीजेपी की कोई तुलना थी क्या ?

उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार आज दिन तक कभी अकेले चुनाव नहीं लड़े। उन्हें बीजेपी ने ही मुख्यमंत्री बनाए रखा। बिहार में अमरमत्ता कहा जाता है, वो नीतीश कुमार हैं जो कभी अकेले चुनाव नहीं जीत पाएंगे। पहले नीतीश कुमार बिहार में अपनी लोकप्रियता साबित करें, बाद में पीएम बनने के सपने देखना।

इससे पहले मंगलवार को गिरिराज सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार अपनी नाकामी दूसरो पर थोप रहे हैं। उनकी प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा जाग रही है। बिहार की जनता उन्हें सबक सिखाएगी। नीतीश कुमार उनके साथ जा मिले हैं जो बिहार को तोड़ने का काम कर रहे हैं। वे कभी जिन्दगी में प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे।

इसके अलावा गिरिराज सिंह ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के एक पुराने ट्वीट को रिट्वीट करते हुए नीतीश कुमार को सांप की संज्ञा दी।

अगस्त 2017 में जब नीतीश ने आरजेडी का साथ छोड़कर बीजेपी का दामन थामा था, तब लालू प्रसाद यादव ने ट्वीट करते हुए कहा था, 'नीतीश सांप हैं, जैसे सांप केंचुल छोड़ता है वैसे ही नीतीश भी हर दो साल में केंचुल छोड़ते हैं।' इस पर रिट्वीट करते हुए गिरिराज सिंह ने लालू को कहा कि अब वही सांप आपके घर घुस गया है।

2020 में सीएम नहीं बनना चाहता था : सीएम नीतीश

पटना, 10 अगस्त (का.सं.)। जेडीयू के नेता नीतीश कुमार ने आठवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। उनके साथ ही राजद नेता तेजस्वी यादव ने डिप्टी सीएम पद की कमान संभाली। शपथ लेने के बाद तेजस्वी ने नीतीश के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। नीतीश ने बिहार के सीएम पद की शपथ लेने के बाद भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि साल 2020 में वो सीएम नहीं बनना चाहते थे। बता दें कि भाजपा नीतीश के अलायंस टूटने पर लगातार बोलते रहे हैं कि पीएम मोदी के कहने पर चुनाव में जेडीयू के तीसरी नंबर की पार्टी आने के बाद भी नीतीश कुमार को सीएम बनाया गया था।

बुधवार को तय समयानुसार नीतीश कुमार ने राजभवन में बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। हालांकि पहले भी वो बिहार के सीएम थे लेकिन, पिछली बार वो एनडीए गठबंधन में थे। इस बार वे महागठबंधन के साथ बिहार में सरकार बना चुके हैं। नीतीश कुमार ने आठवीं बार बिहार के सीएम पद की शपथ ली। नीतीश की कैबिनेट का विस्तार आगामी कुछ दिनों में किया जाएगा। नीतीश के साथ बुधवार को राजद नेता तेजस्वी यादव ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। उन्होंने शपथ ग्रहण के बाद अपने चाचा नीतीश के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

नीतीश कुमार ने सीएम पद संभालने के बाद भाजपा पर हमला बोला। कहा कि पिछले दो महीने में भाजपा के साथ ठीक नहीं चल रहा था।

उन्होंने बड़ा बयान दिया कि साल 2020 में वे प्रदेश के सीएम नहीं बनना चाहते थे। उनका बयान भाजपा के उस हमले की प्रतिक्रिया के तौर पर आया है जिसमें भाजपा ने कहा था कि 2020 में जेडीयू तीसरे नंबर की पार्टी रही लेकिन, नीतीश कुमार को पीएम मोदी के कहने पर सीएम बनाया गया। नीतीश कुमार ने कहा कि उनके मन में सीएम पद की कभी लालसा नहीं रही।

नीतीश कुमार ने कहा कि उनका इस बार महागठबंधन से अलायंस भाजपा से अच्छा रहेगा। पीएम मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि साल 2014 में जो हुआ वो 2024 में नहीं होगा।

तेजस्वी के खिलाफ चार्जशीट, कभी भी जा सकते हैं जेल : सुशील मोदी

पटना, 10 अगस्त (का.सं.)। बिहार में महागठबंधन की नई सरकार बन गई है। आज नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री और तेजस्वी यादव ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। इस बीच बीजेपी नेता और राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी ने कहा है कि तेजस्वी यादव के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो चुकी है और वो कभी भी जेल जा सकते हैं, फिर भी नीतीश कुमार ने उनका हाथ थामा।

इसके अलावा सुशील मोदी ने कहा कि यह बात सरासर झूठ है कि बिना नीतीश की सहमति के ही आरसीपी सिंह को केंद्र सरकार में मंत्री बनाया गया। उन्होंने कहा कि आरसीपी के नाम की सिफारिश खुद नीतीश कुमार ने ही की थी। सुशील मोदी ने यह भी दावा किया कि बीजेपी ने कभी भी जदयू को तोड़ने की कोशिश नहीं की।

बीजेपी नेता ने कहा कि अमित शाह ने नीतीश कुमार से एक नाम देने को कहा था। इस पर नीतीश ने ही आरसीपी सिंह का नाम दिया था। उन्होंने यह भी का कि नीतीश ने उस समय कहा था कि इससे ललन सिंह थोड़े नाराज होंगे लेकिन आरसीपी सिंह को बना दीजिए। इसलिए यह बात सफेद झूठ है कि आरसीपी सिंह को बिना नीतीश की सहमति से केंद्र सरकार में मंत्री बनाया गया।

तेजस्वी की ताजपोशी के बाद लालू यादव को तेज प्रताप ने वीडियो कॉल पर कराया जनता दर्शन

पटना, 10 अगस्त (का.सं.)। बिहार में महागठबंधन की नई सरकार बन चुकी है। नीतीश कुमार ने आज मुख्मंत्री और तेजस्वी यादव ने डिख़्टी सीएम पद की शपथ ले ली है। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान भारी संख्या में आरजेडी कार्यकर्ता राजभवन के बाहर जुटे हुए थे। तेजस्वी की ताजपोशी होने के बाद उनके बड़े भाई तेज प्रताप यादव जब राजभवन से बाहर निकले तो उन्होंने अपने पिता और आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव को वीडियो कॉल किया और जनता का दर्शन कराया।

वहीं दूसरी ओर बिहार के डिख़्टी सीएम तेजस्वी यादव ने शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत बाद बिहार में बंपर रोजगार देने का वादा किया है।

उन्होंने कहा कि एक महीने के अंदर राज्य में लोगों को ऐसी बंपर नौकरियां मिलेंगी, जो किसी दूसरे राज्य में नहीं हुआ होगा। इसे लेकर सीएम नीतीश कुमार से बात हो गई है। बता दें कि बिहार में विधानसभा चुनाव के दौरान तेजस्वी यादव ने ऐलान किया था कि अगर आरजेडी सत्ता में आती है तो बेरोजगारों को 10 लाख नौकरियां दी जाएंगी।

बीजेपी और एनडीए से अलग होकर नीतीश कुमार ने तेजस्वी यादव और राजद की अगुवाई वाले महागठबंधन के समर्थन से आठवीं बार बिहार के सीएम पद की शपथ ली तो इस मौके पर पुराने गिले-शिकवे भी भुला दिए गए। शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचीं तेजस्वी यादव की मां और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने नीतीश कुमार के सवाल पर कहा कि 'सब माफ है।'

एक महीने के अंदर बिहार में मिलेंगी बंपर नौकरियां : तेजस्वी

पटना, 10 अगस्त (का.सं.)। बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत बाद बिहार में बंपर रोजगार देने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि एक महीने के अंदर राज्य में लोगों को ऐसी बंपर नौकरियां मिलेंगी, जो किसी दूसरे राज्य में नहीं हुआ होगा। इसे लेकर सीएम नीतीश कुमार से बात हो गई है। बता दें कि बिहार में विधानसभा चुनाव के दौरान तेजस्वी यादव ने ऐलान किया था कि अगर आरजेडी सत्ता में आती है तो बेरोजगारों को 10 लाख नौकरियां दी जाएंगी।

बिहार में सत्ता परिवर्तन के बाद बुधवार को तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ मंत्री पद की शपथ ली। तेजस्वी दूसरी बार राज्य के डिख़्टी सीएम बने हैं।

शपथ ग्रहण के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि आज बिहार ने वो कर दिखाया जो देश को करना है। हम लोगों ने सदन से लेकर सड़क तक बेरोजगारी की लड़ाई लडडी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फैसले से हम लोगों को एक मौका मिला है कि जनता और नौजवानों के दुख-दर्द को दूर कर सकें।

तेजस्वी ने कहा कि बिहार में एक महीने के अंदर बंपर भर्ती होगी। रोजगार के क्षेत्र में ऐसे कदम उठाए जाएंगे जो पहले कभी किसी राज्य में नहीं हुआ होगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इस संबंध में बात हो गई है।

बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव 2020 से पहले तेजस्वी यादव ने बेरोजगारी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने जनता से वादा किया था कि अगर आरजेडी नीत महागठबंधन सत्ता में आता है तो बिहार के 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी। हालांकि, तब महागठबंधन को जीत नहीं मिली थी। अब जब नीतीश कुमार एनडीए से नाता तोड़कर महागठबंधन के साथ आ गए हैं तो आरजेडी भी सत्ता में आ गई है। अब तेजस्वी यादव पर अपने पुराने वादों को पूरा करने का दबाव बढ़ गया है।

इम इनकम टैक्स, सीबीआई, ईडी से नहीं डरते : ललन सिंह

पटना, 10 अगस्त (का.सं.)। बिहार में सत्ता परिवर्तन के होने के बाद अब आरोप और प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। एक ओर जहां बीजेपी नीतीश कुमार को लेकर हमलावर हो गई है तो वहीं दूसरी ओर जेडीयू भी पलटवार कर रही है। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने मंगलवार को कहा कि हम इनकम टैक्स, सीबीआई और ईडी से नहीं डरते हैं। हम लोग कोई कंपनी नहीं चलाते हैं। हम लोग की आमदनी वेतन है। जितना ईडी लगाना है लगा लें, हमारे विधायकों को कोई नहीं तोड़ सकता है।

पटना में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ललन सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार 2020 में मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते थे लेकिन बीजेपी ने उन्हें जबरन सीएम बनाया।

ललन सिंह ने कहा कि आरसीपी सिंह बीजेपी के एजेंट के तौर पर काम कर रहे थे। बीजेपी ने गठबंधन धर्म का पालन नहीं किया। 2020 के चुनाव में जदयू को हराने के षड्यंत्र में भाजपा के साथ आरसीपी सिंह भी मिले हुए थे।

ललन सिंह ने कहा कि भाजपा नेताओं द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लगातार अपमानित किया जा रहा था। मुख्यमंत्री ने काफी हद तक भाजपा के रवैये को बर्दाश्त किया, पर तंग आकर एनडीए छोड़ना पड़ा। नीतीश कुमार ने आंख बंद करके बीजेपी पर भरोसा किया लेकिन बीजेपी ने पीठ में छुरा घोंपने का काम किया।

मोदी-शाह पर ललन सिंह का निशाना : अटल-आडवाणी युग में 17 साल गठबंधन में रहे, 17 सेकेंड की दिक्कत नहीं हुई

पटना, 10 अगस्त (का.सं.)। बिहार में नीतीश कुमार की अगुवाई में महागठबंधन की नई सरकार के शपथ के बाद जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा है कि अटल-आडवाणी युग में जेडीयू 17 साल एनडीए में रहा लेकिन कभी 17 सेकेंड की दिक्कत नहीं हुई।

ललन सिंह ने कहा कि जनता दल यूनाइटेड और भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन आज का नहीं था लेकिन तब अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और जॉर्ज फर्नांडीस जैसे नेता थे जो कभी कोई कदम बिना आपसी सलाह के नहीं उठाते थे। तब गठबंधन में एक-दूसरे के लिए सम्मान था।

नीतीश के शपथ ग्रहण के बाद जेडीयू कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए ललन सिंह ने कहा कि अटल-आडवाणी लोगों की बात सुनते थे और सबको साथ लेकर चलते थे। उन्होंने कहा कि उस समय गठबंधन की एक पार्टी दूसरे पार्टी के नेताओं को तोड़ती नहीं थी। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने साथ रहकर धोखा दिया और विश्वासघात किया।

ललन सिंह ने कहा कि लगातार नीतीश कुमार को अपमानित किया जा रहा था जिसकी वजह से पार्टी के सारे विधायक, सांसद और बाकी नेता ने एकमत होकर फैसला किया कि बीजेपी के रिश्ता तोड़कर एनडीए छोड़ दिया जाए।

उन्होंने कहा कि जिनको आज विश्वासघात लग रहा है उनको 2017 में जनमत से खिलवाड़ नहीं लगा जब नीतीश महागठबंधन छोड़कर एनडीए में लौटे थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com